अध्याय 2

भारत का सामान्य ज्ञान

इस अध्याय में आप सीखेंगे किः

- भारत की जननांकिकी संरचना और उसकी सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक स्थिति कैसी है।
- भारत के प्रतीक चिन्हों की आवश्यकता, उनके महत्व के साथ-साथ प्रमुख पुरस्कारों, लोक नृत्य एवं लोक गीत, पर्यटन स्थल, राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्य कैसे किसी देश के लिए आवश्यक होते हैं।
- भारत के सामाजिक, धार्मिक संस्थानों, स्थलों की उपयोगिता हमारे देश के लिए इतनी आवश्यक क्यों है।
- भारत के नगरों, शहरों, स्थानों, योजनाओं, एवं परियोजनाओं, कार्यक्रम और नीतियों के अन्तर्गत किस प्रकार की योजनाओं को चलाना हमारे लिए आवश्यक है।
- राष्ट्रीय स्तर पर भारत की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक घटनाओं में वैश्विक स्थिति कहाँ है। हाल के वर्षो में भारत की प्रगति तथा उसकी विशेष प्रगति क्या-क्या है।

तालिका 2.1: भारत का संक्षिप्त परिचय

विषयवस्तु	संक्षिप्त विवरण
स्थान	हिमालय द्वारा भारतीय प्रायद्वीप को मुख्य भूमि एशिया से अलग किया गया है। भारत पूर्व में बंगाल की खाड़ी, पश्चिम में अरब सागर और दक्षिण में हिन्द महासागर से घिरा हुआ है।
भौगोलिक समन्वय	यह पूर्णरूप से उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है, देश का विस्तार 8°4 और 37°4' अक्षांश पर विषुपत रेखा के उत्तर में, और 68°7' और 97°25' पूर्वी देशान्तर पर स्थित है।
स्थायी मान समय	जी.एम.टी. +05:30
क्षेत्र	32, 87, 263 वर्ग किलोमीटर
देश का टेलीफोन कोड	+91
सीमाओं में स्थित देश	उत्तर पश्चिम में अफगानिस्तान और पाकिस्तान, भूटान और नेपाल उत्तर पूर्व में, म्यांमार और बांग्लादेश पूर्व में, उत्तर में चीन, श्रीलंका और मालदीव भारत की मुख्य भूमि को नहीं अपितु जलीय सीमा का अवश्य स्पर्श करते हैं।
समुद्रतट	7,516.6 किलोमीटर जिसमें मुख्यभूमि, लक्ष्यद्वीप और अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह शामिल हैं।
	भारत की जलवायु को मोटे तौर पर उष्णकटिबन्धीय मानसून के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। परन्तु भारत का अधिकांश उत्तरी भाग उष्णकटिबन्धीय क्षेत्र के बाहर होने के बावजूद समग्र देश में उष्णकटिबन्धीय जलवायु है जिसमें अपेक्षाकृत उच्च तापमान और अधिक सर्दी पड़ती है। चार मौसम हैं—

(Continued)

तालिका 2.1: भारत का संक्षिप्त परिचय *(Continued)*

विषयवस्तु	संक्षिप्त विवरण
	1. सर्दी (दिसम्बर–फरवरी) 2. गर्मी (मार्च–जून) 3. दक्षिण पश्चिम मानसून का मौसम (जून–सितम्बर) 4. मानसून पश्च मौसम (अक्टूबर–नवम्बर)
भूभाग	मुख्य भूमि में चार क्षेत्र हैं। नामत: ग्रेट माउन्टेन ज़ोन, गंगा और सिन्धु का मैदान, रेगिस्तान क्षेत्र और दक्षिणी प्रायद्वीप।
प्राकृतिक संसाधन	कोयला, लौह अयस्क, मैग्नीज अयस्क, माइका, बॉक्साइट, पेट्रोलियम, टायटानियम अयस्क, क्रोमाइट, प्राकृतिक गैस, मैग्नेटाइट (Magnetite), चूना पत्थर, अरावल लेण्ड, डोलोमाइट, माउलिन, जिप्सम, अपादाइट, फोसफोराइट, स्टीटाइल, फ्लोराइट आदि।
प्राकृतिक आपदा	मानसूनी बाढ़, भूकम्प, सूखा, भूस्खलन, चक्रवात
वर्तमान पर्यावरणीय मुद्दे	वायु प्रदूषण नियंत्रण, ऊर्जा संरक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन,जैव विविधता संरक्षण, नम भूमि क्षेत्र संरक्षण, जल व भूमिगत जल संरक्षण, वन संरक्षण आदि।
पर्यावरण अन्तर्राष्ट्रीय	पर्यावरण और विकास पर रियो घोषणा पत्र, जैव सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राज्य ढांचागत कार्य करार सम्मेलन के लिए क्योटो प्रोटोकॉल, विश्व व्यापार करार, नाइट्रोजन ऑक्साइड के सल्फर उत्सर्जन को कम करने पर उनके ट्रान्स बाउण्ड्री फ्लेक्सेस (नॉन प्रोटोकॉल) पर एलआरटीएपी हेंन्सिंकी प्रोटोकॉल, वोलाटाइल ऑरगनिक समिश्रण या उनके ट्रान्स बाउण्ड्री फ्लाक्सेस (वीओसी प्रोटोकॉल) के उत्सर्जन से सम्बन्धित एलआरटीएपी के लिए जेनेवा प्रोटोकॉल।
भूगोल–टिप्पणी	भारत दक्षिण एशिया उप महाद्वीप के बड़े भूभाग पर फैला हुआ है।

जनगणना 2011 : एक दृष्टि में

कुल जनसंख्या	:	121 करोड़
पुरूष जनसंख्या	:	62.31 करोड़
महिला जनसंख्या	:	58.74 करोड़
दशकीय वृद्धि (2001 से 2011 के मध्य)	:	17.7%
जनसंख्या घनत्व	:	382 व्यक्ति/वर्ग किमी.
लिंगानुपात	:	943 महिलाए (प्रति हजार पुरूष)
साक्षरता दर	:	73.0% (80.88% पुरूष व 64.63% महिलाए) नोट : 7 वर्ष की आयु या उससे अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति को साक्षर समझा गया है जो किसी भाषा में पढ़ने व लिखने में सक्षम हो। 1991 से पहले की जनगणनाओं में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चे को अनिवार्यत: निरक्षर समझा जाता था।

भारतीय जनसंख्या का वैश्विक परिदृश्य

- जनसंख्या की दृष्टि से भारत विश्व की जनसंख्या का 17.5% है।
- भारत की जनसंख्या = यूएसए + इंडोनेशिया + ब्राजील + पाकिस्तान + बांग्लादेश + जापान की संयुक्त जनसंख्या।
- विश्व के प्रत्येक 6 व्यक्तियों में से 1 व्यक्ति भारतीय है

- 10 सर्वाधिक जनसंख्या वाले देशों में से केवल बाग्लादेश एक ऐसा देश है जिसका जनसंख्या घनत्व भारत से अधिक है।
- वर्ष 2030 तक ऐसा अनुमान है कि भारत की जनसंख्या चीन की जनसंख्या से अधिक हो जायेगी।
- उत्तर प्रदेश की जनसंख्या ब्राजील की जनसंख्या से अधिक है।
- उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की संयुक्त जनसंख्या यूएसए की जनसंख्या से अधिक है।

तालिका 2.2: शहरों का वर्गीकरण: एक दृष्टि में

वर्गीकरण	जनसंख्या	शहरों की संख्या	शहर के नाम
City	1 लाख या उससे अधिक	7935 शहर	–
Million city	10 लाख या उससे अधिक	53 शहर	–
Mega city	40 लाख या उससे अधिक	9 शहर	1. वृद्ध मुम्बई 2. दिल्ली 3. कोलकाता 4. चेन्नई 5.बंग्लुरू 6. हैदराबाद 7. अहमदाबाद 8.पुणे 9.सूरत

सरकार

देश का नाम	रिपब्लिक ऑफ इंडिया, भारत गणराज्य।
सरकार का प्रकार	संसदीय सरकार पद्धति के साथ सामाजिक प्रजातांत्रिक गणराज्य।
राजधानी	नई दिल्ली
प्रशासनिक प्रभाग	29 राज्य और 6 संघ राज्य क्षेत्र और 1 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
आजादी	15 अगस्त, 1947 (ब्रिटिश उपनिवेश शासन से)
संविधान	भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ।
कानून प्रणाली	भारत का संविधान देश की न्याय प्रणाली का स्रोत है।
कार्यपालिका शाखा	भारत का राष्ट्रपति देश का प्रधान होता है, जबकि प्रधानमंत्री सरकार प्रमुख होता है और मंत्रिपरिषद् की सहायता से शासन चलाता है जो मंत्रिमंडल मंत्रालय का गठन करते हैं।
विधायिका शाखा	भारतीय विधायिका में लोक सभा (हाउस ऑफ दि पीपल) और राज्य सभा (राज्य परिषद्) संसद के दोनों सदनों का गठन करते हैं।
न्यायपालिका	भारत का सर्वोच्च न्यायालय भारतीय कानून व्यवस्था का शीर्ष निकाय है। इसके बाद अन्य उच्च न्यायालय और अधीनस्थ न्यायालय आते हैं।
झण्डे का वर्णन	राष्ट्रीय झण्डा आयताकार तिरंगा है। जिसमें केसरिया ऊपर है, बीच में सफेद और बराबर भाग में नीचे गहरा हरा है। सफेद पट्टी के केन्द्र में गहरा नीला चक्र है जो सारनाथ में अशोक चक्र को दर्शाता है।
राष्ट्रीय दिवस	26 जनवरी (गणतंत्र दिवस), 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस), 2 अक्टूबर (गांधी जयन्ती)

अर्थव्यवस्था

अर्थव्यवस्था सिंहावलोकन	स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद आधी शताब्दी में भारत ने सभी बाधाओं को पार करते हुए आर्थिक स्थिरता का स्पष्ट स्तर, विभिन्न क्षेत्रों का शिष्टाचार, अर्थव्यवस्था अदम्य सहयोग जैसे कि कृषि, पर्यटन, वाणिज्य, विद्युत, संचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी आदि। आज भारत विश्व की छ: सबसे तेजी से विकसित क्रयशक्ति समता (पीपीपी) की तर्ज पर भारत का तीसरा स्थान है। व्यायसाय और विनियामक वातावरण विकसित हो रहा है और स्थायी सुधार की ओर आगे बढ़ रहा है।

श्रमिक बल	इंडिया विजन : 2020 पर समिति की रिपोर्ट के अनुसार भारत का श्रमिक बल 2002 में 375 मिलियन से अधिक पहुंच गई है।
बेरोजगारी की दर	19 फरवरी 2016 को NSSO द्वारा जारी आकड़ो के अनुसार वर्ष 2011-12 में बेरोजगारी दर 3.4% है जो वर्ष 2004-05 में 4.5% थी।
मुद्रा स्फीति दर	वित्तीय वर्ष 2016-17 के अनुसार औसत मुद्रा स्फीति दर (WPI) आधार पर 1.7% रहा

भारत एक नज़र में (तथ्य सामान्य ज्ञान)

- भारत ने अपने आखिरी 1,00,000 वर्षों के इतिहास में किसी भी देश पर हमला नहीं किया है।
- जब कई संस्कृतियों में 5,000 साल पहले घुमंतू वनवासी थे, तब भारतीयों ने सिंधु घाटी (सिंधु घाटी सभ्यता) में हड़प्पा संस्कृति की स्थापना की।
- भारत का अंग्रेज़ी में नाम 'इंडिया' इंडस नदी से बना है, जिसके आस-पास की घाटी में आरंभिक सभ्यताएं निवास करती थीं। आर्य पूजकों ने इस इंडस नदी को सिंधु कहा।
- ईरान से आए आक्रमणकारियों ने सिंधु को हिंदु की तरह प्रयोग किया। 'हिंदुस्तान' नाम सिंधु और हिंदु का संयोजन है, जो कि हिंदुओं की भूमि के संदर्भ में प्रयुक्त होता है।
- शतरंज की खोज भारत में की गयी थी।
- बीज गणित, त्रिकोणमिति और कैलकुलस (कलन) का अध्ययन भारत में ही आरंभ हुआ था।
- 'स्थान मूल्य प्रणाली' और 'दशमलव प्रणाली' का विकास भारत में 100 बी.सी. में हुआ था।
- विश्व का प्रथम ग्रेनाइट मंदिर तमिलनाडु के तंजौर में बृहदेश्वर मंदिर है। इस मंदिर के शिखर ग्रेनाइट के 80 टन के टुकड़ों से बने हैं। यह भव्य मंदिर राजाराज चोल के राज्य के दौरान केवल 5 वर्ष की अवधि में (1004 ए डी और 1009 ए डी के दौरान) निर्मित किया गया था।
- भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और विश्व का सातवां बड़ा देश तथा प्राचीन सभ्यताओं में से एक है।
- सांप सीढ़ी का खेल तेरहवीं शताब्दी में कवि संत ज्ञान देव द्वारा तैयार किया गया था इसे मूल रूप से मोक्षपट कहते थे। इस खेल में सीढ़ियां वरदानों का प्रतिनिधित्व करती थीं जबकि सांप अवगुणों को दर्शाते थे। इस खेल को कौडियों तथा पासे के साथ खेला जाता था। आगे चलकर इस खेल में कई बदलाव किए गए, परंतु इसका अर्थ वही रहा अर्थात् अच्छे काम लोगों को स्वर्ग की ओर ले जाते हैं जबकि बुरे काम दोबारा जन्म के चक्र में डाल देते हैं।
- दुनिया का सबसे ऊँचा क्रिकेट का मैदान हिमाचल प्रदेश के चायल नामक स्थान पर है। इसे समुद्री सतह से 2,444 मीटर की ऊँचाई पर भूमि को समतल बना कर 1893 में तैयार किया गया था।
- भारत में विश्व भर से सबसे अधिक संख्या में डाक खाने स्थित हैं।
- भारतीय रेल देश का सबसे बड़ा नियोक्ता है। यह दस लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है।
- विश्व का सबसे प्रथम विश्वविद्यालय 700 बी.सी. में तक्षशिला में स्थापित किया गया था। इसमें 60 से अधिक विषयों में 10,500 से अधिक छात्र दुनियाभर से आकर अध्ययन करते थे। नालंदा विश्वविद्यालय चौथी शताब्दी में स्थापित किया गया था जो शिक्षा के क्षेत्र में प्राचीन भारत की महानतम उपलब्धियों में से एक है।
- आयुर्वेद मानव जाति के लिए ज्ञात सबसे आरंभिक चिकित्सा शाखा है। शाखा विज्ञान के जनक माने जाने वाले चरक में 2500 वर्ष पहले आयुर्वेद का समेकन किया था।
- भारत 17वीं शताब्दी के आरंभ तक ब्रिटिश राज्य आने से पहले सबसे सम्पन्न देश था। क्रिस्टोफर कोलम्बस भारत की सम्पन्नता से आकर्षित हो कर भारत आने का समुद्री मार्ग खोजने चला और उसने गलती से अमेरिका को खोज लिया।
- नौपरिवहन (नेवीगेशन) की कला और नौवहन का जन्म 6,000 वर्ष पहले सिंधु नदी में हुआ था। दुनिया का सबसे पहला नौवहन संस्कृत शब्द नव गति से उत्पन्न हुआ है। शब्द नौ सेना भी संस्कृत शब्द नोउ से हुआ।
- भास्कराचार्य ने खगोल शास्त्र के कई सौ साल पहले पृथ्वी द्वारा सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने में लगने वाले सही समय की गणना की थी। उनकी गणना के अनुसार सूर्य की परिक्रमा में पृथ्वी को 365. 258756484 दिन का समय लगता है।
- भारतीय गणितज्ञ बुधायन द्वारा 'पाई' का मूल्य ज्ञात किया गया था और उन्होंने जिस संकल्पना को समझाया उसे पाइथागोरस की प्रमेय कहते हैं। उन्होंने इसकी खोज छठवीं शताब्दी में की, जो यूरोपीय गणितज्ञों से काफी पहले की गयी थी।
- बीज गणित, त्रिकोणमिति और कैलकुलस का उद्भव भी भारत में हुआ था। चतुष्पद समीकरण का उपयोग 11वीं शताब्दी में श्री धराचार्य

द्वारा किया गया था। ग्रीक तथा रोमनों द्वारा उपयोग की गयी सबसे बड़ी संख्या 106 थी जबकि हिंदुओं ने 10 × 53 जितने बड़े अंकों का उपयोग (अर्थात् 10 की घात 53), के साथ विशिष्ट नाम 5000 बीसी के दौरान किया। आज भी उपयोग की जाने वाली सबसे बड़ी संख्या टेरा : 10 + 12 (10 की घात 12) है।

- वर्ष 1896 तक भारत विश्व में हीरे का एक मात्र स्रोत था।
- बेलीपुल विश्व में सबसे ऊँचा पुल है। यह हिमाचल पर्वत में द्रास और सुरू नदियों के बीच लद्दाख घाटी में स्थित है। इसका निर्माण अगस्त 1982 में भारतीय सेना द्वारा किया गया था।
- सुश्रुत को शल्य चिकित्सा का जनक माना जाता है। लगभग 2600 वर्ष पहले सुश्रुत और उनके सहयोगियों ने मोतियाबिंद, कृत्रिम अंगों को लगाना, शल्य क्रिया द्वारा प्रसव, अस्थिभंग जोड़ना, मूत्राशय की पथरी, प्लास्टिक सर्जरी और मस्तिष्क की शल्य क्रियाएं आदि की।
- निश्चेतक का उपयोग भारतीय प्राचीन चिकित्सा विज्ञान में भली भांति ज्ञात था। शारीरिक, भ्रूण विज्ञान, पाचन, चयापचय, शरीर क्रिया विज्ञान, इटियोलॉजी, आनुवांशिकी और प्रतिरक्षा विज्ञान आदि विषय भी प्राचीन भारतीय ग्रंथों में पाए जाते हैं।
- भारत से 90 देशों को सॉफ्टवेयर का निर्यात किया जाता है।
- भारत में 4 धर्मों का जन्म हुआ—हिंदु, बौद्ध, जैन और सिक्ख धर्म और जिनका पालन दुनिया की आबादी का 25 प्रतिशत हिस्सा करता है।
- जैन धर्म और बौद्ध धर्म की स्थापना भारत में क्रमश: 600 बी.सी. और 500 बी.सी. में हुई थी।
- इस्लाम भारत का और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा धर्म है।
- भारत में 3,00,000 मस्जिदें हैं जो किसी अन्य देश से अधिक है, यहां तक कि मुस्लिम देशों से भी अधिक।
- भारत में सबसे पुराना यूरोपियन चर्च और सिनागोग कोचीन शहर में है। इनका निर्माण क्रमश: 1503 और 1568 में किया गया था।
- ज्यू और ईसाई व्यक्ति भारत में क्रमश: 200 बी.सी. और 52 ए डी से निवास करते हैं।
- विश्व में सबसे बड़ा धार्मिक भवन अंगकोरवाट, हिंदू मंदिर है जो कम्बोडिया में 11वीं शताब्दी के दौरान बनाया गया था।
- तिरूपति शहर में बना विष्णु मंदिर 10वीं शताब्दी के दौरान बनाया गया था, यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक गंतव्य है। रोम या मक्का धार्मिक स्थलों से भी बड़े इस स्थान पर प्रतिदिन औसतन 30 हजार श्रद्धालु आते हैं और लगभग 6 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्रति दिन चढ़ावा आता है।
- सिक्ख धर्म का उद्भव पंजाब के पवित्र शहर अमृतसर में हुआ था। यहां प्रसिद्ध स्वर्ण मंदिर की स्थापना 1577 में की गयी थी।
- वाराणसी, जिसे बनारस के नाम से भी जाना जाता है, एक प्राचीन शहर है जब भगवान बुद्ध ने 500 बी.सी. में यहां आगमन किया और यह आज विश्व का सबसे पुराना और निरंतर आगे बढ़ने वाला शहर है।
- भारत द्वारा श्रीलंका, तिब्बत, भूटान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के 3,00,000 से अधिक शरणार्थियों को सुरक्षा दी जाती है, जो धार्मिक और राजनैतिक अभियोजन के फलस्वरूप वहां से निकल गए हैं।
- माननीय दलाई लामा तिब्बती बौद्ध धर्म के निर्वासित धार्मिक नेता हैं, जो उत्तरी भारत के धर्मशाला में अपने निर्वासन में रह रहे हैं।
- युद्ध कलाओं का विकास सबसे पहले भारत में किया गया और ये बौद्ध धर्म प्रचारकों द्वारा पूरे एशिया में फैलाई गई।
- योग कला का उद्भव भारत में हुआ है और यह 5,000 वर्ष से अधिक समय से मौजूद है।

पुरस्कार

भारत रत्न सम्मान—भारत ने अन्नत काल से बहादुरी की अनेक गाथाओं को जन्म दिया है। संभवत: उनके बलिदानों को मापने का कोई पैमाना नहीं है, यद्यपि हम उन लोगों से भी अपनी आंखें फेर नहीं सकते जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर हमारे देश का गौरव बढ़ाया है और हमें अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाई है। भारत रत्न हमारे देश का उच्चतम नागरिक सम्मान है, जो कला, साहित्य और विज्ञान के क्षेत्र में असाधारण सेवा के लिए तथा उच्चतम स्तर की लोक सेवा को मान्यता देने के लिए प्रदान किया जाता है।

- इसे पुरस्कार के रूप में दिए जाने वाले सम्मान की मूल विशिष्ट में 35 मिलीमीटर व्यास वाला गोलाकार स्वर्ण पदक, जिस पर सूर्य और ऊपर हिंदी भाषा में 'भारत रत्न' तथा नीचे एक फूलों का गुलदस्ता बना होता है पीछे की ओर शासकीय संकेत और आदर्श वाक्य लिखा होता है। इसे सफेद फीते में डालकर गले में पहनाया जाता है। एक वर्ष बाद इस डिजाइन को बदल दिया गया था।
- भारत रत्न पुरस्कार की परम्परा 1954 में शुरू हुई थी। सबसे पहला पुरस्कार प्रसिद्ध वैज्ञानिक चंद्र शेखर वेंकटरमन को दिया गया था। तब से अनेक विशिष्ट जनों को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता पाने के लिए यह पुरस्कार प्रस्तुत किया गया है। वास्तव में हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम को भी यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिया गया है (1997)। इसका कोई लिखित प्रावधान नहीं है कि भारत रत्न केवल भारतीय नागरिकों को ही दिया जाए। यह पुरस्कार स्वाभाविक रूप से भारतीय नागरिक बन चुकी एग्नेस गोखा बोजाखियू, जिन्हें हम मदर टेरेसा के नाम से जानते हैं और दो अन्य गैर भारतीय खान अब्दुल गफ्फार खान और नेल्सन मंडेला (1990) को भी दिया गया है। यह भी अनिवार्य नहीं है कि भारत रत्न सम्मान हर वर्ष दिया जाए। पिछली बार यह सम्मान वर्ष 2015 में स्वर्गीय मदन मोहन मालवीय और अटल बिहारी वाजपयी को दिया गया।

परम वीर चक्र (पीवीसी)—परम वीर चक्र सैन्य सेवा तथा उससे जुड़े हुए लोगों को दिया जाने वाला भारत का सर्वोच्च वीरता सम्मान है। यह पदक

शत्रु के सामने अद्वितीय साहस तथा परम शूरता का परिचय देने पर दिया जाता है। 26 जनवरी, 1950 से शुरू किया गया यह पदक मरणोपरांत भी दिया जाता है।

- शाब्दिक तौर पर परम वीर चक्र का अर्थ है 'वीरता का चक्र'। संस्कृत के शब्द 'परम', 'वीर' एवं 'चक्र' से मिलकर यह शब्द बना है।
- यदि कोई परम वीर चक्र विजेता दोबारा शौर्यता का परिचय देता है और उसे परम वीर चक्र के लिए चुना जाता है तो इस स्थिति में उसका पहला चक्र निरस्त करके उसे रिबैंड दिया जाता है। इसके बाद हर बहादुरी पर उसके रिबैंड बार की संख्या बढ़ाई जाती है। इस प्रक्रिया को मरणोपरांत भी किया जाता है। प्रत्येक रिबैंड बार पर इंद्र के वज्र की प्रतिकृति बनी होती है तथा इसे रिबैंड के साथ ही लगाया जाता है।
- परम वीर चक्र को अमेरिका के सम्मान पदक तथा यूनाइटेड किंगडम के विक्टोरिया क्रॉस के बराबर का दर्जा हासिल है।
- फ्लाईंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखो यह प्रतिष्ठित सम्मान पाने वालों में से एक हैं। उन्हें 1971 में मरणोपरांत परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया। वे भारतीय वायु सेना के एकमात्र ऐसे ऑफिसर हैं जिन्हें परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया है।

पद्म सम्मान—पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री नामक पद्म पुरस्कार शासकीय सेवकों द्वारा प्रदत्त सेवा सहित किसी भी क्षेत्र में असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं। पद्म पुरस्कारों की सिफारिशें राज्य सरकारों/संघ राज्य प्रशासनों, केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों, उत्कृष्टता संस्थानों आदि से प्राप्त की जाती है, जिन पर पुरस्कार समिति द्वारा विचार किया जाता है। पुरस्कार समिति की सिफारिश के आधार पर और प्रधानमंत्री, गृहमंत्री तथा राष्ट्रपति के अनुमोदन के बाद गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इन पदम सम्मानों की घोषणा की जाती है।

शूरवीरता सम्मान—बहादुरी और शौर्य की प्रशंसा की कला नवीन नहीं है। ये राष्ट्र के स्थायित्व का एक महत्त्वपूर्ण घटक बनाते हैं। इतिहास में शौर्यता को आदर और प्रशंसा के रूप में परिभाषित किया गया है। हमारी लोक कथाओं में भी बहादुरी को मान्यता देने की संकल्पना स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। महाभारत में धर्म के कारण एक सूरमा के रूप में मरने का गौरव स्वर्ग का सबसे आसान रास्ता माना गया। वास्तव में, युद्ध के मैदान में किसी भी प्रकार की मौत को गौरवशाली माना गया था। चाहे यह एक राजवंश के नियुक्त प्रमुख की बात हो, या शहीदों। बहादुर आत्मओं के सम्मान में बनाए गए स्मारक हो या उन्हें दी गयी उपाधियां, सम्मान के स्तंभ, नकद पुरस्कार या पदक आदि, बहादुरी को मान्यता देना एक अत्यंत प्रतिष्ठित कार्य रहा है। भारत में ब्रिटिश राज की समाप्ति के साथ ब्रिटिश सम्मानों और पुरस्कारों की पुरानी संस्था का अंत हुआ। स्वतंत्र भारत में परमवीर चक्र, महावीर चक्र, अशोक चक्र, शौर्य चक्र आदि सम्मान आरंभ किए गए।

अशोक चक्र—अशोक चक्र की श्रृंखला नागरिकों के लिए भी खुली है। राज्य सरकारों/संघ राज्य प्रशासनों और केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों/विभागों से प्राप्त नागरिकों के संदर्भ में सिफारिशों पर रक्षा मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय सम्मानों पर विचार किया जाता है और रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में गठित पुरस्कार दो वर्ष में एक बार दिए जाते हैं और इनकी घोषणा गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर की जाती है।

शौर्य चक्र—यह शौर्यता पुरस्कार दुश्मन का सामना करने से अलग परिस्थिति में दिया जाता है। यह पुरस्कार नागरिकों अथवा सेना कर्मियों को दिया जा सकता है तथा यह मृत्यु उपरांत भी दिया जा सकता है।

बहादुरी सम्मान—बच्चों की असाधारण बहादुरी और नि:स्वार्थ त्याग को मान्यता और सम्मान देने के लिए भारतीय बाल कल्याण परिषद् (आईसीसीडब्ल्यू) द्वारा 1957 में राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार देना आरंभ किया गया था। प्रत्येक वर्ष आईसीसीडब्ल्यू द्वारा 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पुरस्कार दिए जाते हैं।

- इन पुरस्कारों के लिए केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभागों, जिला परिषदों, पंचायतों, विद्यालय प्राधिकरणों तथा बाल कल्याण संघ राज्य क्षेत्र परिषदों में आवेदन स्वीकार किए जाते हैं।
- आईसीसीडब्ल्यू द्वारा गठित एक समिति द्वारा चयन किया जाता है, जिसमें राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति के सचिवालयों के प्रतिनिधियों और केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, पुलिस ऑल इंडिया रेडियो, दूरदर्शन तथा प्रख्यात गैर-सरकारी संगठनों जैसे राष्ट्रीय बाल भवन, एसओएस, चिल्ड्रेन्स विलेजेज ऑफ इंडिया, आर. के. मिशन और अनुभवी आईसीसीडब्ल्यू सदस्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं।
- इन पुरस्कारों की घोषणा बाल दिवस, 14 नवंबर को की जाती है और प्रधानमंत्री द्वारा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दिए जाते हैं। विजेताओं को एक पदक, प्रमाणपत्र और उनके असाधारण साहस के लिए सांकेतिक रूप में नकद राशि प्रदान की जाती है।
- इसके अतिरिक्त, कुछ बच्चों को अपने पढ़ाई पूरी करने के लिए वित्तीय सहायता (आईसीसीडब्ल्यू का प्रयोजित कार्यक्रम) और चिकित्सा तथा अभियांत्रिकी जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में (इंदिरा गांधी छात्रवृत्ति योजना के तहत) सहायता दी जाती है। कुछ बच्चों को स्नातक स्तर तक पढ़ाई जारी करने के लिए भी सहायता दी जाती है।

जीवन रक्षा पदक पुरस्कार श्रृंखला—जीवन रक्षा पदक पुरस्कार श्रृंखला के तहत उन्हें सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने बचावकर्ता के रूप में जीवन के खतरे और शरीर की चोटों को गंभीर जोखिम के बीच आग की लपटों से, खान के अंदर बचाव कार्यों आदि से जीवन बचाने में माननीय स्वभाव की गतिविधि या अनेक गतिविधियां प्रदर्शित की। जीवन रक्षक पदक श्रृंखला के पुरस्कार प्रदान करने की सिफारिश राज्य सरकार/संघ राज्य प्रशासन और भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों की ओर से की जाती है।

भारतीय गणतंत्रः एक परिचय

भारत के गणतंत्र की यात्रा

- 68 वर्ष पहले 21 तोपों की सलामी के बाद भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने फहरा कर 26 जनवरी, 1950 को भारतीय गणतंत्र के ऐतिहासिक जन्म की घोषणा की।
- एक ब्रिटिश उपनिवेश से एक सम्प्रभुतापूर्ण, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में भारत का निर्माण एक ऐतिहासिक घटना रही। यह लगभग 2 दशक पुरानी यात्रा थी जो 1930 में एक सपने के रूप में संकल्पित की गयी और 1950 में इसे साकार किया गया। भारतीय गणतंत्र की इस यात्रा पर नजर डालने से हमारे आयोजन और भी अधिक सार्थक हो जाते हैं।
- **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन**—गणतंत्र राष्ट्र के बीज 31 दिसंबर, 1929 की मध्य रात्रि में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर सत्र में बोए गए थे। यह सत्र पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। उस बैठक में उपस्थित लोगों ने 26 जनवरी को 'स्वतंत्रता दिवस' के रूप में अंकित करने की शपथ ली थी ताकि ब्रिटिश राज से पूर्ण स्वतंत्रता के सपने को साकार किया जा सके। लाहौर सत्र में नागरिक अवज्ञा आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया गया। यह निर्णय लिया गया कि 26 जनवरी 1930 को पूर्ण स्वराज दिवस के रूप में मनाया जाएगा। पूरे भारत में अनेक भारतीय राजनैतिक दलों और भारतीय क्रांतिकारियों ने सम्मान और गर्व सहित इस दिन को मनाने के प्रति एकता दर्शाई।
- **भारतीय संविधान सभा की बैठकें**—भारतीय संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर, 1946 को की गयी, जिसका गठन भारतीय नेताओं और ब्रिटिश कैबिनेट मिशन के बीच हुई बातचीत के परिणाम स्वरूप किया गया था। इस सभा का उद्देश्य भारत को एक संविधान प्रदान करना था जो दीर्घ अवधि प्रयोजन पूरे करेगा और इसलिए प्रस्तावित संविधान के विभिन्न पक्षों पर गहराई से अनुसंधान करने के लिए अनेक समितियों की नियुक्ति की गयी। सिफारिशों पर चर्चा, वाद-विवाद किया गया और भारतीय संविधान पर अंतिम रूप देने से पहले कई बार संशोधित किया गया तथा 3 वर्ष बाद 26 नवंबर, 1949 को आधिकारिक रूप से अपनाया गया।
- **संविधान प्रभावी हुआ**—जबकि भारत 15 अगस्त, 1947 को एक स्वतंत्र राष्ट्र बना इसने स्वतंत्रता की सच्ची भावना का आनन्द 26 जनवरी, 1950 को उठाया जब भारतीय संविधान प्रभावी हुआ था। इस संविधान से भारत के नागरिकों को अपनी सरकार चुनकर स्वयं अपना शासन चलाने का अधिकार मिला। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने गवर्नमेंट हाउस के दरबार हाल में भारत के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली और इसके बाद राष्ट्रपति का काफिला 5 मील की दूरी पर स्थित इर्विन स्टेडियम पहुंचा जहां उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।
- 448 अनुच्छेदों और 12 अनुसूचियों के साथ भारतीय संविधान दुनिया में सबसे बड़ा लिखित संविधान है।

गणतंत्र दिवस

- हर वर्ष 26 जनवरी एक ऐसा दिन है जब प्रत्येक भारतीय के मन में देश भक्ति की लहर और मातृभूमि के प्रति अपार स्नेह भर उठता है। ऐसी अनेक महत्त्वपूर्ण स्मृतियां हैं जो इस दिन के साथ जुड़ी हैं। यही वह दिन है जब जनवरी 1930 में लाहौर में पंडित जवाहर लाल नेहरू ने तिरंगे को फहराया था और स्वतंत्र भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की घोषणा की गयी थी।
- **आयोजन**—इस अवसर के महत्त्व को दर्शाने के लिए हर वर्ष गणतंत्र दिवस पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है और राजधानी, नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के समीप रायसीना पहाड़ी से राजपथ पर गुजरते हुए इंडिया गेट तक और बाद में ऐतिहासिक लाल किले तक शानदार परेड का आयोजन किया जाता है।
- यह आयोजन भारत के प्रधानमंत्री द्वारा इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति पर पुष्प अर्पित करने के साथ आरंभ होता है, जो उन सभी सैनिकों की स्मृति में है जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया। इससे शीघ्र बाद 21 तोपों की सलामी दी जाती है, राष्ट्रपति महोदय द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है और राष्ट्रीय गान होता है। इस प्रकार परेड आरंभ होती है।
- राष्ट्रपति महोदय के साथ एक उल्लेखनीय विदेशी राष्ट्र प्रमुख आते हैं, जिन्हें आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है।
- राष्ट्रपति महोदय के सामने से खुली जीपों में वीर सैनिक सलामी देते हुए गुजरते हैं। भारत के राष्ट्रपति जो भारतीय सशस्त्र बल के मुख्य कमांडर है। विशाल परेड की सलामी लेते हैं। भारतीय सेना द्वारा इसके नवीनतम हथियारों और बलों का प्रदर्शन किया जाता है जैसे टैंक, मिसाइल, राडार, आदि।
- इसके शीघ्र बाद राष्ट्रपति द्वारा सशस्त्र सेना के सैनिकों को बहादुरी के पुरस्कार और मेडल दिए जाते है जिन्होंने अपने क्षेत्र में अभूतपूर्व साहस दिखाया और ऐसे नागरिकों को भी सम्मानित किया जाता है जिन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में वीरता के अलग-अलग कारनामे किए।
- इसके बाद सशस्त्र सेना के हेलिकॉप्टर दर्शकों पर गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश करते हुए फ्लाई पास्ट करते हैं।
- सेना की परेड के बाद रंगारंग सांस्कृतिक परेड होती है। विभिन्न राज्यों से आई झांकियों के रूप में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया जाता है। प्रत्येक राज्य अपने अनोखे त्यौहारों, ऐतिहासिक स्थलों और कला का प्रदर्शन करते हैं। यह प्रदर्शनी भारत की संस्कृति की विविधता और समृद्धि को एक त्यौहार का रंग देती है।
- विभिन्न सरकारी विभागों और भारत सरकार के मंत्रालयों की झांकियां भी राष्ट्र की प्रगति में अपने योगदान प्रस्तुत करती हैं। इस परेड का सबसे खुशनुमा हिस्सा तब आता है जब बच्चे, जिन्हें राष्ट्रीय वीरता

पुरस्कार मिलना है, हाथियों पर बैठकर सामने आते हैं। भिन्न-भिन्न विद्यालयों के बच्चे परेड में अलग-अलग लोक नृत्य और देश भक्ति की धुनों पर गीत प्रस्तुत करते हैं।

- परेड में कुशल मोटर सइकिल सवार, जो सशस्त्र सेना कार्मिक होते हैं, अपने प्रदर्शन करते हैं। परेड का सर्वाधिक प्रतीक्षित भाग फ्लाई पास्ट है जो भारतीय वायु सेना द्वारा किया जाता है। फ्लाई पास्ट परेड का अंतिम पड़ाव है, जब भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान राष्ट्रपति का अभिवादन करते हुए मंच के ऊपर से गुजरते हैं।
- जीवन्त वेबकास्ट के जरिए गणतंत्र दिवस की परेड उन लाखों व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जाती है जो इंटरनेट पर परेड देखना चाहते हैं। यह आयोजन होने के बाद भी इसके कुछ खास हिस्से 'मांग पर वीडियो उपलब्ध' पर मौजूद होते हैं।
- **प्रधानमंत्री की रैली**—गणतंत्र दिवस का आयोजन कुल मिलाकर तीन दिनों का होता है और 27 जनवरी को इंडिया गेट पर इस आयोजन के बाद प्रधानमंत्री की रैली में एनसीसी केडेट्स द्वारा विभिन्न चौका देने वाले प्रदर्शन और ड्रिल किए जाते हैं।
- **लोक तरंग**—सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के साथ मिलकर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हर वर्ष 24 से 29 जनवरी के बीच 'लोक तंरग-राष्ट्रीय लोक नृत्य समारोह' आयोजित किया जाता है। इस आयोजन में लोगों को देश के विभिन्न भागों से आए रंग बिरंगें और चमकदार और वास्तविक लोक नृत्य देखने का अनोखा अवसर मिलता है।
- **बीटिंग द रिट्रीट**—बीटिंग द रिट्रीट गणतंत्र दिवस आयोजनों का आधिकारिक रूप से समापन घोषित करता है। सभी महत्त्वपूर्ण सरकारी भवनों को 26 जनवरी से 29 जनवरी के बीच रोशनी से सुंदरता पूर्वक सजाया जाता है। हर वर्ष 29 जनवरी की शाम को अर्थात् गणतंत्र दिवस के बाद अर्थात् गणतंत्र की तीसरे दिन बीटिंग द रिट्रीट आयोजन किया जाता है। यह आयोजन तीन सेनाओं के एक साथ मिलकर सामूहिक बैंड वादन से आरंभ होता है जो लोकप्रिय मार्चिंग धुन बजाते हैं।
- ड्रमर भी एकल प्रदर्शन (जिसे ड्रमर्स कॉल कहते हैं) करते हैं। ड्रमर्स द्वारा एबाइडिड विद मी (यह महात्मा गांधी की प्रिय धुनों में से एक कही जाती है) बजाई जाती है और ट्युबुलर घंटियों द्वारा चाइम्स बजाई जाती हैं, जो काफी दूर पर रखी होती है और इससे एक मनमोहक दृश्य बनता है।
- इसके बाद रिट्रीट का बिगुल वादन होता है, जब बैंड मास्टर राष्ट्रपति के समीप जाते हैं और बैंड वापिस ले जाने की अनुमति मांगते हैं। तब सूचित किया जाता है कि समापन समारोह पूरा हो गया है। बैंड मार्च वापस जाते समय लोकप्रिय धुन 'सारे जहां से अच्छा' बजाते हैं।
- ठीक शाम 6 बजे बगलर्स रिट्रीट की धुन बजाते हैं और राष्ट्रीय ध्वज को उतार लिया जाता है तथा राष्ट्रगान गाया जाता है और इस प्रकार गणतंत्र दिवस के आयोजन का औपचारिक समापन होता है।

भारतीय तिरंगे का इतिहास

- 'सभी राष्ट्रों के लिए एक ध्वज होना अनिवार्य है। यह एक प्रकार की पूजा है, जिसे नष्ट करना पाप होगा। ध्वज एक आदर्श का प्रतिनिधित्व करता है। यूनियन जेक अंग्रेजों के मन में भावनाएं जगाता है जिसकी शक्ति को मापना कठिन है। अमेरिकी नागरिकों के लिए ध्वज पर बने सितारे और पट्टियों का अर्थ उनकी दुनिया है। इस्लाम धर्म में सितारे और अर्ध चन्द्र का होना सर्वोत्तम वीरता का आह्वान करता है।'
- 'हमारे लिए यह अनिवार्य होगा कि हम भारतीय मुस्लिम, ईसाई, ज्यूस, पारसी और अन्य सभी, जिनके लिए भारत एक घर है, एक ही ध्वज को मान्यता दें और इसके लिए मर मिटें।' —महात्मा गांधी
- प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र का अपना एक ध्वज होता है। यह एक स्वतंत्र देश होने का संकेत है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की अभिकल्पना पिंगली वैंकैयानन्द ने की थी और इसे इसके वर्तमान स्वरूप में 22 जुलाई 1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया था, जो 1947 को अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के कुछ ही दिन पूर्व की गयी थी। इसे 15 अगस्त 1947 और 26 जनवरी 1950 के बीच भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया और इसके पश्चात् भारतीय गणतंत्र ने इसे अपनाया। भारत में 'तिरंगे' का अर्थ भारतीय राष्ट्रीय ध्वज है।
- भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग की क्षैतिज पट्टियां हैं, सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी और ये तीनों समानुपात में है। ध्वज की चौड़ाई का अनुपात इसकी लंबाई के साथ 2 और 3 का है। सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का एक चक्र है। यह चक्र अशोक की राजधानी के सारनाथ के शेर के स्तंभ पर बना हुआ है। इसका व्यास लगभग सफेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर होता है और इसमें 24 तीलियां हैं।

तिरंगे का विकास

- यह जानना अत्यंत रोचक है कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज अपने आरंभ से किन-किन परिवर्तनों से गुजरा। इसे हमारे स्वतंत्रता के राष्ट्रीय संग्राम के दौरान खोजा गया या मान्यता दी गयी। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का विकास आज के इस रूप में पहुंचने के लिए अनेक दौरों में से गुजरा। एक रूप से यह राष्ट्र में राजनैतिक विकास को दर्शाता है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज के विकास में कुछ ऐतिहासिक पड़ाव इस प्रकार हैं।
- प्रथम राष्ट्रीय ध्वज 7 अगस्त, 1906 को पारसी बागान चौक (ग्रीन पार्क) कलकत्ता में फहराया गया था जिसे अब कोलकाता कहते हैं। इस ध्वज को लाल, पीले और हरे रंग की क्षैतिज पट्टियों से बनाया गया था।
- द्वितीय ध्वज को पेरिस में मैडम कामा द्वारा 1907 में उनके साथ निर्वासित किए गए कुछ क्रांतिकारियों द्वारा फहराया गया था (कुछ के अनुसार 1905 में)। यह भी पहले ध्वज के समान था सिवाय इसके

कि इसमें सबसे ऊपर की पट्टी पर केवल एक कमल था किंतु सात तारे सप्तऋषि को दर्शाते हैं। यह ध्वज बर्लिन में हुए समाजवादी सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया गया था।

- तृतीय ध्वज 1917 में आया जब हमारे राजनैतिक संघर्ष ने एक निश्चित मोड़ लिया। डॉ. एनी बेसेंट और लोकमान्य तिलक ने घरेलू शासन आंदोलन के दौरान इसे फहराया। इस ध्वज में 5 लाल और 4 हरी क्षैतिज पट्टियां एक के बाद एक और सप्तऋषि के अभिविन्यास में इस पर बने सात सितारे थे। बांयी ओर ऊपरी किनारे पर (खंभे की ओर) यूनियन जैक था। एक कोने में सफेद अर्धचंद्र और सितारा भी था।
- अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र के दौरान जो 1921 में बेजवाड़ा (अब विजयवाड़ा) में किया गया यहां आंध्र प्रदेश के एक युवक ने एक झंडा बनाया और गांधी जी को दिया। यह दो रंगों का बना था। लाल और हरा रंग जो दो प्रमुख समुदायों अर्थात् हिंदु और मुस्लिम का प्रतिनिधित्व करता है। गांधीजी ने सुझाव दिया कि भारत के शेष समुदाय का प्रतिनिधित्व करने के लिए इसमें एक सफेद पट्टी और राष्ट्र की प्रगति का संकेत देने के लिए एक चलता हुआ चरखा होना चाहिए।
- वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था। तथापि यह स्पष्ट रूप से बताया गया इसका कोई साम्प्रदायिक महत्त्व नहीं था और इसकी व्याख्या इस प्रकार की जानी थी।
- 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने इसे मुक्त भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। स्वतंत्रता मिलने के बाद इसके रंग और उनका महत्त्व बना रहा। केवल ध्वज में चलते हुए चरखे के स्थान पर सम्राट अशोक के धर्म चक्र को दिखाया गया। इस प्रकार कांग्रेस पार्टी का तिरंगा ध्वज अंततः स्वतंत्र भारत का तिरंगा ध्वज बना।
- **ध्वज के रंग**—भारत के राष्ट्रीय ध्वज की ऊपरी पट्टी में केसरिया रंग हैं जो देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का प्रतीक है। निचली हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है।
- **चक्र**—इस धर्म चक्र को वितिध का चक्र कहते हैं जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रूकने का अर्थ मृत्यु है।
- **ध्वज संहिता**—26 जनवरी, 2002 को भारतीय ध्वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रूकावट के फहराने की अनुमति मिल गयी। अब भारतीय नागरिक राष्ट्रीय झंडे को शान से कहीं भी और किसी भी समय फहरा सकते हैं। बशर्ते कि वे ध्वज की संहिता का कठोरता पूर्वक पालन करें और तिरंगे की शान में कोई कमी न आने दें। सुविधा की दृष्टि से भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को तीन भागों में बांटा गया है। संहिता के पहले भाग में राष्ट्रीय ध्वज का सामान्य विवरण है। संहिता के दूसरे भाग में जनता, निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों आदि के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में बताया गया है। संहिता का तीसरा भाग केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके संगठनों और अभिकरणों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में जानकारी देता है।
- 26 जनवरी, 2002 विधान पर आधारित कुछ नियम और विनियमन हैं कि ध्वज को किस प्रकार फहराया जाए।
- राष्ट्रीय ध्वज को शैक्षिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसरों, स्काउट शिविरों, आदि) में सम्मान देने की प्रेरणा देने के लिए फहराया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वज आरोहण में निष्ठा की एक शपथ शामिल की गयी है।
- किसी सार्वजनिक, निजी संगठन या एक शैक्षिक संस्थान के सदस्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण/प्रदर्शन सभी दिनों और अवसरों, आयोजनों पर अन्यथा राष्ट्रीय ध्वज के मान-सम्मान और प्रतिष्ठा के अनुरूप अवसरों पर किया जा सकता है।
- नई संहिता की धारा 2 में सभी निजी नागरिकों द्वारा अपने परिसरों में ध्वज फहराने का अधिकार देना स्वीकार किया गया है।

तालिका 2.3: भारत के राष्ट्रीय प्रतीकः एक नज़र में

प्रतीक का नाम	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	प्रमुख तथ्य
• राष्ट्रीय ध्वज	भारतीय क्रान्ति की मां के नाम से प्रसिद्ध मैडम भीकाजी कामा ने 1907 स्टुटगार्ड जर्मनी में तिरंगा फहराया	— राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे में समान अनुपात में तीन क्षैतिज पट्टियां हैं। — गहरा केसरिया रंग ऊपर, सफेद बीच में और हरा रंग सबसे नीचे है। — सफेद पट्टी के बीच में नीले रंग का एक चक्र है। इसका प्रारूप सारनाथ में अशोक के सिंह स्तंभ पर बनेचक्र से लिया गया है, जिसमें कुल 24 तीलियां हैं। — भारत की संविधान ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रारूप 22 जुलाई, 1947 को अपनाया।

(Continued)

तालिका 2.3: भारत के राष्ट्रीय प्रतीकः एक नज़र में *(Continued)*

प्रतीक का नाम	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	प्रमुख तथ्य
		— 26 जनवरी, 2002 से ध्वज संहिता भारत का स्थान भारतीय ध्वज संहिता, 2002 ने ले लिया। नई व्यवस्था के अनुसार आम नागरिकों, निजी संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध नहीं है परन्तु राज चिन्ह और नामों के दुरुपयोग की रोकथाम अधिनियम 1950 और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के अनादर की रोकथाम संबंधी अधिनियम 1971 तथा इन विषयों से संबंधित अन्य कानूनों में दी गई व्यवस्थाओं का पालन करना होगा।
• राजचिन्ह	भारत का राज चिन्ह सारनाथ स्थित अशोक के सिंह स्तंभ की अनुकृति है, जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है।	— मूल स्तंभ में शीर्ष पर चार सिंह हैं जो एक-दूसरे कीओर पीठ किए हुए हैं। इसके नीचे घण्टे के आकार के पद्म के ऊपर एक चित्र वल्लरी में एक हाथी, चौकड़ी भरता हुआ एक घोड़ा सुरक्षित है एक सांड तथा एक सिंह की उभरी हुई मूर्तियां हैं। इसके बीच-बीच में चक्र बने हुए हैं। सिंह स्तंभ के ऊपर धर्म चक्र रखा हुआ है तथा फलक के नीचे मुण्डकोपनिषद् का आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' देवनागरी लिपि में अंकित है। — भारत सरकार ने यह चिन्ह 26 जनवरी, 1950 को अपनाया। इसमें केवल तीन सिंह दिखाई पड़ते हैं। चौथा दिखाई नहीं देता।
• राष्ट्रगान	सर्वप्रथम यह 27 दिसम्बर, 1911 को भारतीय कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गाया गया।	— रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा मूल रूप से बंगला में रचित और संगीतबद्ध 'जन-गण-मन' के हिन्दी संस्करण को संविधान सभा ने भारत के राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी, 1950 को अपनाया था। — राष्ट्रगान के गायन की अवधि लगभग 52 सेकेंड है। कुछ अवसरों पर राष्ट्रगान को संक्षिप्त रूप से गाया जाता है। जिसमें इसकी प्रथम और अंतिम पंक्तियां (गाने का समय लगभग 20 सेकेंड) होती हैं। — पूरे गीत में पांच पद हैं, जबकि प्रथम पद राष्ट्रगान कापूरा पाठ है।
• राष्ट्रीय गीत	यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 12वें कोलकाता अधिवेशन में वर्ष 1896 में गाया गया।	— बंकिमचन्द्र चटर्जी ने 'वंदे मातरम्' गीत की रचना की, जिसे 'जन गण मन' के समान दर्जा प्राप्त है। यह गीत स्वतन्त्रता-संग्राम में जन-जन का प्रेरणा स्रोत बना।
• राष्ट्रीय पंचांग	इसे 22 मार्च, 1957 को (कलैंडर) अपनाया गया।	— ग्रिगेरियन केलिन्डर के साथ-साथ देश भर के लिए शक संवत् आधारित एकरूप राष्ट्रीय पंचांग है, जिसका पहला महीना चैत्र है और सामान्य वर्ष 365 दिन का होता है। — इसका प्रयोग भारत का राजपत्र, आकाशवाणी के समाचार प्रसारण, भारत सरकार द्वारा जारी किये गए कलैंडर और भारत सरकार द्वारा नागरिकों को संबोधित पत्र। — राष्ट्रीय पंचांग और ग्रिगेरियन कलैंडर की तारीखों में स्थायी सादृश्य है। चैत्र का पहला दिन सामान्यत: 22 मार्च को और अधिवर्ष में 21 मार्च को पड़ता है।
• राष्ट्रीय पशु		— भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ, (*पैन्थेरा टाइगरिस*) है। इसकी 8 प्रजातियों में से भारत में पाई जाने वाली प्रजाति को 'रॉयल बंगाल टाइगर' के नाम से जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि देश में बाघों की घटती हुई संख्या को रोकने के लिए अप्रैल, 1973 में बाघ परियोजना शुरू की गई, जिसके अन्तर्गत देश में अब तक 36 बाघ अभयारण्य स्थापित किए जा चुके हैं। — वर्ष 2007 में 8 नये बाघ क्षेत्रों की वृद्धि की गयी है। इससे पहले इनकी संख्या 28 थी।

(Continued)

प्रतीक का नाम	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	प्रमुख तथ्य
• राष्ट्रीय पक्षी	—	भारत का राष्ट्रीय पक्षी 'मयूर' (पावो क्रिस्टेटस) है। हंस के आकार के इस रंग-बिरंगे पक्षी की गर्दन लंबी, आंख के नीचे एक सफेद निशान और सिर पर पंखे के आकार की कलगी होती है। — मयूर भारतीय उप-महाद्वीप में सिंधु नदी के दक्षिण और पूर्व से लेकर जम्मू और कश्मीर, असम के पूर्व, मिजोरम के दक्षिण तक पूरे भारतीय प्रायद्वीप में व्यापक रूप से पाया जाता है। मयूर को लोगों का पूरा संरक्षण मिलता है। इसे धार्मिक या भावात्मक आधार पर कभी भी परेशान नहीं किया जाता।
• राष्ट्रीय पुष्प	—	भारत का राष्ट्रीय पुष्प कमल (*नेलम्बो न्यूसीफेरा*) है। यह एक पवित्र पुष्प है तथा प्राचीन भारतीय कला और पुराणों में इसका एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। प्राचीनकाल से ही इसे भारतीय संस्कृति का शुभ प्रतीक माना जाता है।
• राष्ट्रीय नदी	—	गंगा (2008 में घोषित)
• राष्ट्रीय फल	—	आम
• राष्ट्रीय ग्रंथ	—	गीता
• राष्ट्रीय वृक्ष	—	वट वृक्ष (बरगद का पेड़)
• राष्ट्रीय पुरस्कार (सर्वोच्च)	—	भारत रत्न
• राष्ट्रीय मिठाई	—	जलेबी
• राष्ट्रीय जलीय जीव	—	डॉल्फिन (गंगा व ब्रह्मपुत्र) (2009 में घोषित)

तालिका 2.4: भारत के राज्य उनकी भाषा एवं प्रमुख पर्यटन स्थल

राज्य	मुख्य भाषाएं	पर्यटन स्थल
1. आन्ध्र प्रदेश	तेलुगू तथा उर्दू	नागार्जुनकोंडा और नागार्जुन सागर में बौद्ध स्तूप, होर्सले पहाडियां, हुसैन सागर झील के मध्य में जिब्राल्टर चट्टान पर साठ फुट की विशालकाय बुद्ध प्रतिमा, तिरुपति मंदिर, कनक दुर्गा मंदिर।
2. अरुणाचल प्रदेश	मोनपा, मिजी, अका, निशी अपतानी, तागिन अदि, तंगसा	बोमडिला पास, तवांग, पासी घाट, नामदफा, परशुराम कुंड खोंसा, दिमांग ईटानगर।
3. असम	असमिया	काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क, मानस बांध परियोजना, शिवसागर, भालुकपुंग, हाफ लांग, चंदुबी झील, हाजो (बौद्ध, हिन्दू और इस्लाम की मिलन स्थली), बताद्रव (वैष्णव संत शंकर देव की जन्म भूमि), सुआलकूची।
4. बिहार	हिन्दी	राजगीर, नालंदा, वैशाली, पावा पुरी (भगवान महावीर ने जहां अंतिम सांस ली तथा निर्वाण को प्राप्त हुए), बोध गया, विक्रमशिला, पटना, सासाराम और मधुबनी।
5. छत्तीसगढ़	हिन्दी	चित्रकूट के जल प्रपात, इंद्रावती नदी (इसका पानी 96 फुट की ऊँचाई से गिरता है), कांगेर नदी, पाली, कांगेरघाट राष्ट्रीय पार्क, कैलाश गुफाएं, कुडम्बसर गुफाएं।

(Continued)

तालिका 2.4: भारत के राज्य उनकी भाषा एवं प्रमुख पर्यटन स्थल *(Continued)*

राज्य	मुख्य भाषाएं	पर्यटन स्थल
6. गोवा	कोंकणी तथा मराठी	कोलवा, कालनगुटे, वागाटोर, बागा, हरमल, अंजुना और मीरा मार समुद्र तट, बैसीलिका ऑफ बोम जिसस और से-कैथेड्रल चर्च, दूध सागर, हरवालेम जलप्रपात तथा माएम झील, डॉ. सलीम अली पक्षी उद्यान (चोराव में)।
7. गुजरात	गुजराती	पोरबंदर (महात्मा गांधी की जन्मभूमि), लोथल, सोमनाथ, द्वारका, अहमदपुर मांडवी, चोरवाड़, उभारत और तीथल के समुद्री तट, गिर शेर अभ्यारण्य, कच्छ में जंगली गधों का अभयारण।
8. हरियाणा	हिन्दी	सूरजकुंड और बड़कल लेक, सुल्तानपुर पक्षी विहार, स्काईलार्क, दमदमा और चीड़ वन।
9. हिमाचल प्रदेश	हिन्दी और पहाड़ी	शिमला, कुल्लू, मनाली, रोहतांग पास, कांगड़ा, सोलपन, कसौली
10. जम्मू व कश्मीर	उर्दू, डोंगरी, कश्मीरी, पंजाबी, गुजराती, पहाड़ी	चश्मेशाही झरना, शालीमार बाग, डल झील, अमरनाथ की गुफा, गुलमर्ग, पहलगाम, वैष्णों देवी मंदिर, पटनीटाप और लद्दाख के बौद्ध मठ।
11. झारखंड	हिन्दी	इचागढ़ पक्षी विहार, उद्दव पक्षी विहार-साहिबगंज (पठारा झील), चारो मगरमच्छ पालन केन्द्र-कोडरमा (तिलाया बांध), जवाहर लाल नेहरू चिड़ियाघर, बिरसा हिरण अभ्यारण्य (कालामाटी रांची), हजारीबाग राष्ट्रीय उद्यान।
12. कर्नाटक	कन्नड़	वृन्दावन गार्डन, बादामी, एहोले और पट्टाडकल में 1300 साल पुराने मंदिर, हम्पी में संग्रहालय, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, बन्नेर-घट्टा नेशनल पार्क, जोग जल प्रपात, सथोदी जल प्रपात, कब्बन पार्क और लाल बाग।
13. केरल	मलयालम	ठेक्कड़ी का वन्य प्राणी विहार, कोवलम तट, तिरुवनंतपुरम में पद्नाभ स्वामी मंदिर, पौन मुड़ी, नैयर बांध, कल्लादी (आदि गुरु शंकराचार्य का जन्म स्थल)।
14. मध्य प्रदेश	हिन्दी	भेड़ाघाट के धुआंधार जलप्रपात, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, खजुराहो के मंदिर, (महेश्वर, ओंकारेश्वर तथा अमरकंटक को पवित्र शहर घोषित किया गया है)।
15. महाराष्ट्र	मराठी	अजंता, एलोरा, एलिफेंटा, कन्हेरी और कार्ले गुफाएं, महाबलेश्वर, पंचगनी, शिरडी, नांदेड, शेगांव, कोल्हापुर।
16. मणिपुर	मणिपुरी	कांगला, श्रीश्री गोविंदाजी मंदिर क्ष्वाराम्बंद बाजार, आजाद हिंद सेना (मोइरंग) स्मारक, लोकतक झील, केइबुल लामजो राष्ट्रीय उद्यान, विष्णु पुर का विष्णु मंदिर, डयूको घाटी, खोग्जोम युद्ध स्मारक।
17. मेघालय	खासी, गारो, अंग्रेज़ी	वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड, मिनी चिड़ियाघर,एलीफेंट जलप्रपात, शिलांग चोटी (यहां से पूरे शहर का नजारा दिखाई देता है)।
18. मिजोरम	मिजो और अंग्रेज़ी	तामदिल प्राकृतिक झील जहां महोनरी वन हैं, वानतांग जलप्रपात (सबसे ऊँचा जलप्रपात), जोबौक के निकट जिला पार्क में अल्पाइन पिकनिक हट।
19. नागालैंड	अंगामी, आओ, चांग, कोन्याक, लोथा, सेमा संगताम और चाखेसांग	प्रति वर्ष दिसम्बर माह के प्रथम सप्ताह में 'हार्नबिल' उत्सव आयोजित किया जाता है, जिसमें नागालैंड की सभी जनजातियां एक जगह आकर उत्सव मनाती हैं।
20. ओडिशा	उड़िया	लिंगराज मंदिर, पुरी का जगन्नाथ मंदिर, कोणार्क, चिलका झील, उदयगिरी-खंडगिरी की प्राचीन गुफाएं, रत्नागिरी, ललितगिरि, उदयगिरि के बौद्ध भित्तिचित्र और गुफाएं, सिमिलिपाल राष्ट्रीय उद्यान तथा बाघ परियोजना, हीराकुण्ड बांध, उषाकोठी वन्य जीव अभ्यारण्य, गोपालपुर समुद्री तट।

(Continued)

राज्य	मुख्य भाषाएं	पर्यटन स्थल
21. पंजाब	पंजाबी	स्वर्ण मंदिर, दुर्गियाना मंदिर, जलियांवाला बाग, भाखड़ा बांध, हरिके पट्टन में आर्द्र भूमि।
22. राजस्थान	हिन्दी और राजस्थानी	जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, माउंट आबू, अलवर में सरिस्का बाघ विहार, भरतपुर में केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी विहार, अजमेर, जैसलमेर, पाली, चित्तौड़गढ़।
23. सिक्किम	लेप्चा, भूटिया, नेपाली	गंगटोक, युमथांग, डबडी, जोंग्री, वार्से, तीन महान बौद्ध भिक्षुओं का मिलन स्थलः चाक्सूय, छुद्दीमठ, ताशिकिंग मठ, रूमटाक बौद्ध मठ।
24. तमिलनाडु	तमिल	चेन्नई, मामल्लपुरम्, कांचीपुरम, चिदंबरम, श्रीरंगम, मदुरै, रामेश्वर, कन्याकुमारी, तंजावूर, कलुगुमलै (स्मारक केन्द्र), सुरुली (जलप्रपात), इलागिरी कोल्लिहिल्स (पर्वतीय स्थल), अन्नामलाई, कालाकाड़ (वन्य जीवन अभ्यारण्य), प्वाइंट केलिमियर (पक्षी अभ्यारण्य)।
25. तेलंगाना	तेलुगु, उर्दू	चार मीनार, बिरला मंदिर।
26. त्रिपुरा	बंगला और काकबरक	कमलसागर, अगरतला, दम्बूर झील, जम्पुई हिल।
27. उत्तराखण्ड	हिन्दी, गढ़वाली, कुमाऊँनी	गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ, केदारनाथ, हरिद्वार, ऋषिकेश, हेमकुंड साहिब, विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी, मंसूरी, देहरादून, नैनीताल।
28. उत्तर प्रदेश	हिन्दी और उर्दू	वाराणसी, विंध्याचल, अयोध्या, चित्रकूट, प्रयाग, मथुरा, वृंदावन, सारनाथ, कौशांबी, आगरा, श्रावस्ती, कुशीनगर।
29. पश्चिम बंगाल	बंगला	कोलकाता, सुन्दरवन, हुगली, दक्षिणेश्वर, शान्ति निकेतन, कालिमपोंग।

तालिका 2.5: केन्द्रशासित प्रदेश

के.प्र.	मुख्य भाषाए	पर्यटन स्थल
1. अंडमान एवं निकोबार द्वीप	हिन्दी, निकोबारी, तमिल, बंगला, मलयालम, तेलुगू	ये पर्यावरण अनुकूल सुरक्षित पर्यटक स्थल के रूप में विख्यात है। सेल्लूलर जेल, रॉस आइलैंड तथा वाइपर आइलैंड।
2. चंडीगढ़	हिन्दी, पंजाबी, अंग्रेज़ी	रॉक गार्डन, रोज गार्डन, सुखना झील, टावर ऑफ शैडो, ज्यामितीय पहाड़ी संग्रहालय, कला ग्राम, लॉग हट, नेपली फारेस्ट, फिटनेस ट्रेल (लेजर वैली में), इंटरनेशनल डॉल्स म्यूजियम।
3. दादरा एवं नगर हवेली	गुजराती तथा हिन्दी	ताड़केश्वर शिव मंदिर, खानवेल का हिरण पार्क, वाणगंगा झील और द्वीप उद्यान, लघु प्राणी विहार, बाल उद्यान, आदिवासी म्यूजियम और सिलवासा स्थित हिरवावन उद्यान।
4. दमन और दीव	गुजराती	बॉम जीसस चर्च, अवर लेडी ऑफ सी चर्च, अवर लेडी ऑफ रेमेडिओज चर्च, मोती दमन और नानी दमन के किले, जम्पौर और देवका बीच, परगोला गार्डन, मिरासोल वाटर पार्क और दीव में सेंट पॉल चर्च।
5. दिल्ली	हिन्दी, पंजाबी, उर्दू, अंग्रेज़ी	लालकिला, जामा मस्जिद, कुतुब मीनार, इंडिया गेट, लक्ष्मीनारायण मंदिर, हुमायूं का मकबरा, लोटस टैंपल।
6. लक्षद्वीप	जेसरी (द्वीप भाषा), माहल	आगात्ती, बनगारम, कलापेनी, कादमत, कावारत्ती, मिनिकाय।
7. पुडुचेरी	तमिल, तेलुगू, फ्रेंच, अंग्रेज़ी, मलयालम	कराईकल (तमिलनाडु), माहे (केरल), यनम (आन्ध्र प्रदेश)।

ध्यातव्य हो कि

- सर्वाधिक कारखाने भारत के तमिलनाडु में स्थित हैं।
- 1991 से 2008 तक सर्वाधिक एफडीआई प्राप्त करने वाले क्षेत्र क्रमशः सेवा क्षेत्र, इलेक्ट्रिकल उपकरण और टेलीकम्युनिकेशन हैं।
- देश में 19 तेलशोधक कारखानो में 2 निजी क्षेत्र के हैं।
- संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2009 को प्राकृतिक फाइबर वर्ष घोषित किया है।
- सी.के. प्रहलाद को प्रबन्धक गुरु/विज्ञापन गुरु के रूप में संसार में पहला स्थान प्राप्त है।
- भारत के समस्त आयात में भागीदार 4 शीर्ष देश क्रमशः चीन (11.2), सऊदी अरब (7.2), यूएसए (5.8) व यूएई (5.5) हैं।
- सूती वस्त्रों की राजधानी मुम्बई को जबकि भारत का मैनचेस्टर अहमदाबाद को कहा जाता है।
- कार उत्पादक राष्ट्र में शीर्ष जापान, जर्मनी और चीन हैं।
- धात्विक खनिजों के कुल उत्पादन मूल्य में सर्वाधिक योगदान लौह-अयस्क का 76% है।
- विश्व पर्यटन में भारत का हिस्सा मात्रा 0.37% है।

तालिका 2.6: भारतीय सीमा क्षेत्र के राज्य और उनकी स्थिति

देश	सीमा पर अवस्थित भारतीय राज्य
1. पाकिस्तान	1. गुजरात 2. राजस्थान 3. पंजाब 4. जम्मू-कश्मीर
2. अफगानिस्तान	1. जम्मू-कश्मीर
3. चीन	1. जम्मू-कश्मीर 2. हिमाचल प्रदेश 3. उत्तराखंड 4. सिक्किम 5. अरुणाचल प्रदेश
4. नेपाल	1. उत्तर प्रदेश 2. उत्तराखंड 3. बिहार 4. पश्चिम बंगाल 5. सिक्किम
5. भूटान	1. सिक्किम 2. पश्चिम बंगाल 3. असम 4. अरुणाचल प्रदेश
6. बांग्लादेश	1. पश्चिम बंगाल 2. असम 3. मेघालय 4. त्रिपुरा
7. म्यांमार	1. अरुणाचल प्रदेश 2. नागालैंड 3. मणिपुर 4. मिजोरम

तालिका 2.7: नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले भारतीय

नाम	प्राप्ति वर्ष	क्षेत्र/उपलब्धियाँ	अन्य उपलब्धियाँ
गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर (1861-1944)	1913	साहित्य-कविताओं की पुस्तक '*गीतांजलि*' के लिए	भारत एवं बांग्लादेश के राष्ट्रगान की रचना शांतिनिकेतन की स्थापना 1901
चंद्रशेखर वेंकटरमन (1888-1922)	1930	**भौतिक शास्त्र**—रमन प्रभाव के लिए	उनकी उपलब्ध्यिों को देखते हुए उन्हें 'सर' की उपाधि् दी गई। 1954 में भारत रत्न
हरगोविन्द खुराना (जन्म 1922)	1968	**चिकित्सा**—आनुवंशिक कोड की व्याख्या की	परखनली में कृत्रिम जीन संश्लेषण और प्रोटीन संश्लेषण में इसकी भूमिका का पता लगाया
मदर टेरेसा (1910-1997)	1979	**शांति** के क्षेत्र में	कोलकता में मिशिनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना, निर्मल हृदय नामक संस्था की स्थापना, 1980 में भारत रत्न, एग्नेस गोन्क्षा बोहाझिड बचपन का नाम

(Continued)

नाम	प्राप्ति वर्ष	क्षेत्र/उपलब्धियाँ	अन्य उपलब्धियाँ
सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर (1910–1995)	1983	**भौतिक शास्त्र**—खगोल भौतिक के क्षेत्र में	सी. वी. रमन के भतीजे थे, चंद्रशेखर सीमा अनुसंधान के लिए *हवाइट* ड्वापर्फ के बार में सिद्धांत का प्रतिपादन
अमर्त्य सेन (जन्म 1933)	1998	**अर्थशास्त्र**—लोक कल्याणकारी अर्थशास्त्र की अवधारणा का	अर्थशास्त्र के क्षेत्र में यह पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई। 1999 में भारत रत्न प्रदान
वी. एस नायपाल (जन्म 1932)	2001	साहित्य	प्रमुख पुस्तकें-*ए लैण्ड इन द रिवर, एन एरिया ऑफ डार्कनेस, इंडिया-ए वून्डेड सिविलाइजेशन*
वेंकटरमन रामकृष्णन (भारतीय मूल के)	2009	**रसायन विज्ञान**—राइबोजोम की संरचना और उसके काम करने	राइबोजोम का (3-क) मॉडल बनाया। इनके साथ थॉमस ई-स्टेज तथा अदा. इ योनथ को यह सम्मान मिला।

तालिका 2.8: भारत के शास्त्रीय नृत्य एवं प्रमुख नर्तक

क्र.	नृत्य का नाम	राज्य	नर्तक
1.	भरतनाट्यम	तमिलनाडु	यामिनी कृष्ण मूर्ति, टी बाला सरस्वती, रूक्मिणी देवी, सोनल मानसिंह, मृणालिनीसाराभाई, वैजयन्तीमाला, हेमामालिनी, आदि।
2.	कत्थक	उतर प्रदेश तथा राजस्थान	बिरजू महाराज, अच्छन महाराज, गोपीकृष्ण, सितारा देवी, रोशन कुमारी बन्दनासेन, एमा शर्मा, केशव कोठरी, काजल शर्मा, आदि।
3.	कथकली	केरल	मृणालिनी साराभाई, गुरूशंकरन नम्बूदरीपाद, थोट्टमशंकन, कुट्टी नैयर शेंकर, कुस्प कै.सी. पन्नीकर, टी.टी. राम कुट्टी नैयर, आदि।
4.	ओडिसी	ओडिशा	प्रतिभा देवी संयुक्त पाणिग्रही सोनल मानसिंह, पंकज चरणदास, केलुचरण मोहपात्र, कल्याणि अम्मा, आदि।
5.	मोहिनी अट्टम	केरल	कल्याणि अम्मा।
6.	कुचिपुड़ी	आन्ध्र प्रदेश	यामिनी कृष्णमूर्ति, राधा रेड्डी, वेदान्तम सत्य नारायण शर्मा, स्वप्न सुन्दरी आदि।
7.	मणिपुरी	मणिपुर	शान्तिवर्धन, गुरू विपिन सिंह।

महत्वपूर्ण राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय तिथियां

जनवरी 25	अन्तर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क एवं उत्पादन दिवस
मार्च 8	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
मार्च 14	विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस
मार्च 20	विश्व विकलांग दिवस
मार्च 21	विश्व वानिकी दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय रंगभेद उन्मूलन दिवस
मार्च 22	विश्व जल दिवस
मार्च 23	विश्व मौसम विज्ञान दिवस
मार्च 27	विश्व थियेटर दिवस
अप्रैल 7	विश्व स्वास्थ्य दिवस
अप्रैल 12	विश्व वैमानिकी एवं ब्रह्मांडिकी दिवस
अप्रैल 18	विश्व विरासत दिवस
अप्रैल 22	विश्व पृथ्वी दिवस
मई 1	विश्व श्रमिक दिवस
मई 3	अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस
मई 4	विश्व रेडक्रास दिवस
मई 13	विश्व नर्स दिवस

मई 24	राष्ट्रकुल दिवस
मई 31	विश्व धूम्रपान एवं तम्बाकू निषेध दिवस
जून 5	विश्व पर्यावरण दिवस
जून 26	अन्तर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य निषेध दिवस
जून 27	विश्व मधुमेह दिवस
जुलाई 11	विश्व जनसंख्या दिवस
अगस्त 1	विश्व स्तनपान दिवस
अगस्त 6	विश्व शान्ति दिवस (हिरोशिमा परमाणु बम विस्फोटक की स्मृति में)
सितम्बर 8	विश्व साक्षरता दिवस
सितम्बर 13	विश्व बन्धुत्व एवं क्षमा याचना दिवस
सितम्बर 27	विश्व पर्यटन दिवस
अक्टूबर 1	अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस
अक्टूबर 3	विश्व प्रकृति दिवस, जर्मन एकीकरण दिवस
अक्टूबर 4	विश्व पशु कल्याण दिवस
अक्टूबर 6	विश्व वन्य प्राणी दिवस
अक्टूबर 9	विश्व डाक दिवस
अक्टूबर 10	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस
अक्टूबर 12	विश्व प्राकृतिक आपदा रोकथाम दिवस, कोलम्बस दिवस
अक्टूबर 16	विश्व खाद्य दिवस
अक्टूबर 24	विश्व विकास सूचना दिवस, संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस
अक्टूबर 30	विश्व बचत दिवस
नवम्बर 17	विश्व विद्यार्थी दिवस
नवम्बर 19	विश्व नागरिक दिवस
नवम्बर 20	बाल अधिकार दिवस
नवम्बर 25	विश्व मांसाहार निषेध दिवस
नवम्बर 26	विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस
दिसम्बर 1	विश्व एड्स दिवस
दिसम्बर 9	अन्तर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधी दिवस
दिसम्बर 10	विश्व मानवाधिकार दिवस, जीव अधिकार दिवस
दिसम्बर 11	विश्व बालकोष दिवस
दिसम्बर 29	विश्व जैव विविधता दिवस

प्रमुख ऐतिहासिक वर्ष

1967	अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन वर्ष
1968	अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार वर्ष
1970	अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा वर्ष
1971	अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक वर्ष
1974	विश्व जनसंख्या वर्ष
1975	अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष
1979	अन्तर्राष्ट्रीय बाल वर्ष
1980	अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा वर्ष
1983	अन्तर्राष्ट्रीय संचार वर्ष
1985	अन्तर्राष्ट्रीय युवा वर्ष
1986	अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति वर्ष
1987	आवासहीनों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय आवास वर्ष
1988	एड्स विषयक संचार एवं सहयोग वर्ष
1990	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता वर्ष, 'दक्षेस' का बालिका वर्ष
1993	अन्तर्राष्ट्रीय देशज वर्ष, 'दक्षेस' का पर्यावरण वर्ष
1994	अन्तर्राष्ट्रीय परिवार वर्ष, अन्तर्राष्ट्रीय खेल वर्ष, 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' (डब्लू.एच.ओ.) का दंत सुरक्षा वर्ष
1995	'यूनेस्को' का सहिष्णुता वर्ष, 'दक्षेस' का बचपन बचाओं वर्ष, भारत सरकार का सड़क सुरक्षा वर्ष तथा रेल सेवा वर्ष
1996	'दक्षेस' का निर्धनता जड़-मूल समाप्ति का वर्ष
1999	वयोवृद्धों की सेवार्थ सुखद प्रयासों का वर्ष
2000	शांति का संस्कृति वर्ष
2001	अन्तर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक वर्ष
2002	अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत वर्ष
2003	अन्तर्राष्ट्रीय स्वच्छ जल वर्ष
2004	अन्तर्राष्ट्रीय धान वर्ष
2005	अन्तर्राष्ट्रीय खेल वर्ष/अन्तर्राष्ट्रीय भौतिकी वर्ष
2006	अन्तर्राष्ट्रीय रेगिस्तान वर्ष
2007	अन्तर्राष्ट्रीय ध्रुवीय वर्ष, राष्ट्रीय जल वर्ष
2008	अन्तर्राष्ट्रीय भाषा वर्ष/अन्तर्राष्ट्रीय स्वच्छता वर्ष

तालिका 2.9: भारत की महिला मुख्यमंत्री

नाम	राज्य
सुचेता कृपलानी	उत्तर प्रदेश
नंदिनी सत्पथी	ओडिशा
शशिकला खांडेकर	गोवा
सइदा अनवरा	असम
जानकी रामचंद्रन	तमिलनाडु
जे. जयललिता	तमिलनाडु
मायावती	उत्तर प्रदेश
राजिंदर कौर भट्टल	पंजाब
राबड़ी देवी	बिहार
सुषमा स्वराज	दिल्ली
शीला दीक्षित	दिल्ली
उमा भारती	मध्य प्रदेश
वसुन्धरा राजे सिंधिया	राजस्थान

लोकप्रिय उपनाम

युग पुरुष	महात्मा गांधी
राष्ट्रपिता	महात्मा गांधी
बापू	महात्मा गांधी
बिहार केसरी	डॉ. श्री कृष्ण सिंह
शांति पुरुष	लाल बहादुर शास्त्री
लौह पुरुष	सरदार वल्लभ भाई पटेल
बादशाह खान	खान अब्दुल गफ्फार खां
सीमांत गांधी	खान अब्दुल गफ्फार खां
नेताजी	सुभाष चन्द्र बोस
अजातशत्रु	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
महामना	मदन मोहन मालवीय
गुरूदेव	रवीन्द्र नाथ टैगोर
राजर्षि	पुरुषोत्तम दास टंडन
गुरूजी	एम.एस. गोवलकर
जननायक	कर्पूरी ठाकुर
लोकनायक	जय प्रकाश नारायण
दीन बन्धु	सी.एफ. एण्ड्रूज
देश बन्धु	चित्तरंजन दास
पंजाब केसरी	लाला लाजपतराय
आन्ध्र केसरी	टी. प्रकाशम
वयोवृद्ध पुरुष	दादा भाई नौरोजी
शेरे कश्मीर	शेख अब्दुल्ला
बंगबन्धु	शेख मुजीबुर्रहमान
बंगाल केसरी	आशुतोष मुखर्जी
देश रत्न	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
बिहार गांधी	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
लोकमान्य	बाल गंगाधर तिलक
जे.पी.	जय प्रकाश नारायण
माता बसंत	एनी बेसेन्ट
भारतीय राजनीति के भीष्म पितामह	दादा भाई नौरोजी
स्वर कोकिला	लता मंगेशकर
बिहार विभूति	डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह
बाबूजी	जगजीवन राम
फ्यूहरर	हिटलर
महात्मा गांधी के पांचवें पुत्र	जमना लाल बजाज
चाचा	जवाहरलाल नेहरू
स्पैरो	मेजर जनरल राजेन्द्र सिंह
राजाजी	चक्रवर्ती राजगोपालचारी
प्रियदर्शी	अशोक
जी.बी.एस.	जार्ज बर्नाड शॉ
तोता-ए-हिन्द	अमीर खुसरो
तराना-ए-हिन्द	गालिब
उड़नपरी	पी.टी.उषा
मेडेन क्वीन	एलिजाबेथ प्रथम
लाल, बाल, पाल	लाला लाजपत राय, बाल गंगाधार तिलक, विपिन चन्द्र पाल
बड़े साहब	डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह
मिस्टर क्लीन	राजीव गांधी
शास्त्रीजी	लाल बहादुर शास्त्री

अन्ना	सी.एन. अन्ना दुराई	इटली का गांधी	डेनिलो डालसी
डेजर्ट फॉक्स	जनरल रोमेल	फ्रांस का गांधी	पियरे पेरोडी
नाइटिंगेल ऑफ इण्डिया	सरोजनी नायडू	कश्मीर का अकबर	जैनुल आबेदीन
अंकिल हो	हो. ची. मिन्ह	मैसूर का शेर	टीपू सुल्तान
वार्ड ऑफ एवन	शेक्सपीयर	निर्मल हृदय	मदर टेरेसा
फादर ऑफ इंगलिश पोइट्री	जोफ्रे चॉसर	भारत का बिस्मार्क	सरदार बल्लभ भाई पटेल
ग्रैण्ड ओल्ड मैन ऑफ ब्रिटेन	ग्लेडस्टोन	सरदार	वल्लभ भाई पटेल
मैन ऑफ ब्लड एण्ड आयरन	बिस्मार्क	भारत का मैकियावेली	चाणक्य
लेडी विद द लैम्प	फ्लोरेंस नाइटिंगेल	भारत का नेपोलियन	समुद्रगुप्त
मैन ऑफ डेस्टिनी	नेपोलियन	भारत का शेक्सपियर	कालिदास
लिटिल मास्टर	सुनील मनोहर गावस्कर	हॉकी का जादूगर	ध्यानचंद
गरीब-नवाज	ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती	सुपर कैट	क्लाइव लायड
केसर-ए-हिन्द	महारानी विक्टोरिया	अहिंसा के पुजारी	महात्मा गांधी
शहीद-ए-आजम	भगत सिंह	कविगुरू	रवीन्द्रनाथ टैगोर
मास्टर ब्लास्टर	विवियन रिचर्ड्स	विरोधाभासों का मिश्रण	मुहम्मद बिन तुगलक
महबूब-ए-इलाही	शेख निजामउद्दीन औलिया	लाख बख्श	कुतुबुद्दीन ऐबक
ऐंग्री यंग मैन	अमिताभ बच्चन	हरियाणा हरिकेन	कपिलदेव
ब्लैक गांधी	मार्टिन लूथर किंग (जूनियर)	युवा तुर्क	चन्द्रशेखर
विद्रोही कवि	काजी नजरूल इस्लाम	भारतीय पुनर्जागरण के प्रभात नक्षत्र	राजा राम मोहन राय
नंगा (Naked) फकीर	महात्मा गांधी	भारतीय फिल्मों के पितामह	दादा साहब फाल्के

महान कार्यों से सम्बन्धित व्यक्ति

ब्रह्म समाज	राजाराम मोहन राय	वैशेषिक दर्शन	महर्षि कणाद
आर्य समाज	स्वामी दयानंद सरस्वती	सांख्य दर्शन	महर्षि कपिल
प्रार्थना समाज	केशव चन्द्र सेन	योग दर्शन	महर्षि पतंजलि
दीन-ए-इलाही	अकबर	मीमांसा दर्शन	महर्षि जैमिनी
मनसबदारी प्रथा	अकबर	रामकृष्ण मिशन	स्वामी विवेकानन्द
भक्ति आन्दोलन	रामानुज	मौर्य वंश का संस्थापक	चन्द्रगुप्त मौर्य
सिख धर्म	गुरू नानक	गुप्त वंश का संस्थापक	श्रीगुप्त
बौद्ध धर्म	गौतम बुद्ध	खालसा पंथ	गुरू गोविन्द सिंह
जैन धर्म	महावीर स्वामी	मुगल साम्राज्य की स्थापना	बाबर
इस्लाम धर्म की स्थापना	हजरत मोहम्मद साहब	विजयनगर साम्राज्य की स्थापना	हरिहर व बुक्का
पारसी धर्म के प्रवर्तक	जरथुष्ट्र	दिल्ली सल्तनत की स्थापना	कुतुबुद्दीन ऐबक
शक सम्वत्	कनिष्क	सतीप्रथा का अन्त	लॉर्ड विलियम बेंटिंक
हिजरी सम्वत्	हजरत मोहम्मद साहब	असहयोग आन्दोलन	महात्मा गांधी
गुप्त सम्वत्	चन्द्रगुप्त प्रथम	आजाद हिन्द फौज की स्थापना	रास बिहारी बोस
न्याय दर्शन	गौतम	भूदान आन्दोलन	आचार्य विनोबा भावे

रेड क्रॉस	हेनरी ड्यूनेन्ट
स्वराज पार्टी की स्थापना	पंडित मोतीलाल नेहरू
गदर पार्टी की स्थापना	लाला हरदयाल
'वन्देमातरम्' के रचयिता	बंकिमचन्द्र चटर्जी
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना	एम.एन. राय
नेशनल कांफ्रेस की स्थापना	शेख अब्दुल्ला
संस्कृत व्याकरण के जनक	पाणिनी
सिख राज्य के संस्थापक	महाराजा रणजीत सिंह
भारत की खोज	वास्को डिगामा
'आनन्दवन' की स्थापना	बाबा आम्टे
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक	ए.ओ. ह्यूम
मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक	सर सैयद अहमद खां
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक	मदन मोहन मालवीय
होम रूल लीग के संस्थापक	तिलक व ऐनी बेसेंट
समाजवाद के प्रवर्तक	कार्ल मार्क्स
खुदाई खिदमतगार के संस्थापक	खान अब्दुल गफ्फार खां
फॉरवर्ड ब्लॉक के संस्थापक	सुभाष चन्द्र बोस
सविनय अवज्ञा आंदोलन	महात्मा गांधी
ऑल इण्डिया वीमेंस कॉन्फ्रेंस की स्थापना	श्रीमती कमला देवी
बैंको के राष्ट्रीयकरण	इन्दिरा गांधी
चिपको आन्दोलन	सुन्दर लाल बहुगुणा
दास प्रथा का उन्मूलन	अब्राहम लिंकन
शांति निकेतन की स्थापना	रवीन्द्रनाथ टैगोर
विश्व भारती की स्थापना	रवीन्द्रनाथ टैगोर
जामा मस्जिद का निर्माण (दिल्ली)	शाहजहां
रूसी क्रांति के जनक	लेनिन
परमधाम आश्रम	विनोबा भावे
ओरूविलो आश्रम की स्थापना	अरविन्दो घोष
इंडियन एसोशिएट की स्थापना	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
पाकिस्तान की स्थापना	मो. अली जिन्ना
चम्पारण आंदोलन	महात्मा गांधी
खेड़ा आंदोलन	महात्मा गांधी
बारदोली आंदोलन	वल्लभ भाई पटेल
नमक आंदोलन	महात्मा गांधी
भारत छोड़ो आंदोलन	महात्मा गांधी
हरिजन संघ की स्थापना	महात्मा गांधी
स्वर्ण मंदिर का निर्माण	गुरू अर्जुन देव

तालिका 2.10: महत्वपूर्ण व्यक्ति और उनके सम्बद्ध स्थल

व्यक्ति	स्थल
गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर	शान्ति निकेतन
गुरू नानक	तलवंडी
लालबहादुर शास्त्री	विजयघाट
गौतम बुद्ध	कपिलवस्तु/बोध गया/लुम्बिनी/कुशीनगर
नेपोलियन बोनापार्ट	कोर्सिका/सेंट हेलेना
ईसा मसीह	जेरूसलम
चौ. चरण सिंह	किसान घाट
पं. जवाहरलाल नेहरू	शान्ति वन/तीन मूर्ति भवन
श्रीमती इन्दिरा गांधी	शतिई स्थल
राजीव गांधी	वीर भूमि
सिकन्दर महान्	मैसीडोनिया/सिकन्दरिया
मोहम्मद साहब	मक्का/मदीना

व्यक्ति	स्थल
सरदार वल्लभ भाई पटेल	बारदोली
महाराणा प्रताप	चित्तौड़गढ़/हल्दीघाटी
महात्मा गांधी	पोरबन्दर/साबरमती फीनिक्स फार्म/राजघाट
जनरल डायर	जलियांवाला बाग
आचार्य विनाबा भावे	पवनार आश्रम
स्वामी रामकृष्ण परमहंस	बेलूर
अकबर	फतेहपुर सीकरी
महर्षि अरविन्द घोष	ओरोविले
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	सदाकत आश्रम
मदर टेरेसा	निर्मल हृदय, कोलकाता
नेलसन	ट्रेफलगर

भारत के ऐतिहासिक व धार्मिक स्थल

भारतीय ऐतिहासिक स्थल

इमामबाड़ा	लखनऊ
आनन्द भवन	इलाहाबाद
अजन्ता की गुफाएं	औरंगाबाद
अमरनाथ की गुफा	कश्मीर
आमेर का किला	जयपुर
हवामहल	जयपुर
पंचमहल	फतेहपुर सीकरी
स्वर्ण मंदिर	अमृतसर
चिलका झील	ओडिशा
ताजमहल	आगरा
गोलघर	पटना
सूर्य मंदिर	कोणार्क
जगन्नाथ मंदिर	पुरी
रामेश्वर मंदिर	तमिलनाडु
चारमीनार	हैदराबाद
लालगढ़ महल	बीकानेर
वृन्दावन बाग	मैसूर
गोल गुम्बज	बीजापुर
बीबी का मकबरा	औरंगाबाद
वृहदेश्वर मंदिर	तंजौर
जलमहल	उदयपुर
रायगढ़ की किला	महाराष्ट्र
एलोरा की गुफा	औरंगाबाद
दिलवाड़ा का मंदिर	माउंट आबू
कुतुबमीनार	दिल्ली
इंडियागेट	दिल्ली
शांतिवन	दिल्ली
राजघाट	दिल्ली
लाल किला	दिल्ली
जामा मस्जिद	दिल्ली
जंतर-मंतर	दिल्ली
विजय स्तम्भ	चित्तौड़ गढ
कैलाश मंदिर	एलोरा
शालीमार बाग	कश्मीर
विक्टोरिया महल	कोलकाता
सांची का स्तूप	मध्य प्रदेश
गोमतेश्वर मूर्ति	श्रवणबेलगोला (कर्नाटक)
पिछौला झील	उदयपुर
एलीफैंटा की गुफाएं	मुम्बई
अरविंद आश्रम (ओरोविले)	पुडुचेरी
मीनाक्षी मंदिर	मदुरै
शांताक्रूज	मुम्बई
हावड़ा ब्रिज	कोलकाता
हैगिंग गार्डन	मुम्बई
नटराज मंदिर	चेन्नई
महाकालेश्वर का मंदिर	उज्जैन
रणथम्भोर का किला	सवाईमाधोपुर
टावर ऑफ साइलेंस	मुम्बई
चरार-ए-शरीफ	जम्मू-कश्मीर
डल झील	श्रीनगर
लक्ष्मीविलास महल	बड़ौदा
शांति निकेतन	पं. बंगाल
जलमंदिर	पावापुरी (बिहार)
तानसेन का मकबरा	ग्वालियर
अकबर का मकबरा	सिकन्दरा
द्वारका	काठियावाड़ (गुजरात)
आइसैंड पैलेस	उदयपुर
ओरूविले आश्रम	पाण्डिचेरी
डींग का दुर्ग	भरतपुर
बिरला प्लानेटेरियम	कोलकाता
त्रिमूर्ति भवन	नई दिल्ली
नाहरगढ़ का किला	बीकानेर
जहाज महल	मांडू
अलाई दरवाजा	दिल्ली
शेरशाह का मकबरा	सासाराम
निशात बाग	श्रीनगर

सुन्दरवन	पं. बंगाल	पुराना किला	दिल्ली
विश्वनाथ मंदिर	वाराणसी	दीनपनाह	दिल्ली
आगा खां पैलेस	पुणे/पूना	सीरी फोर्ट	दिल्ली
खजुराहों	मध्य प्रदेश	हुमायूं का मकबरा	दिल्ली
जोग प्रपात	कर्नाटक	जहांगीर का मकबरा	शाहदरा (लाहौर)
चेन्नाकेशव मंदिर	बेलूर	हजरत निमाजुद्दीन औलिया का मकबरा	दिल्ली
बुलंद दरवाजा	फतेहपुर सीकरी	ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती का मकबरा	अजमेर
अढ़ाई दिन का झोंपड़ा	अजमेर		
हौजखास	दिल्ली		

तालिका 2.11: भारत के प्रसिद्ध मंदिर

राज्य	प्रसिद्ध मंदिर
आन्ध्र प्रदेश	तिरूपति मंदिर (तिरूपति), मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर (श्रीसैलम), शिवमंदिर (लेपाक्षी), नरसिंह मंदिर (अहोबलम, सिम्हाचलम)।
कर्नाटक	नंदी बैल मंदिर और गंगावेश्वर गुफा मंदिर (बंगलौर), चेन्नाकेशव मंदिर (बैलूर), होयसलेश्वर एवं केदरेश्वर का शिव मंदिर (हेलबिड), तीर्थकर गोमतेश्वर मंदिर (श्रीरंगपट्टम), पत्ताविराम ओर हजारनामा मंदिर (हम्पी)।
केरल	पदानाभास्वामी मंदिर (तिरअनन्तपुरम), श्रीकोइल मंदिर (त्रिको-थीमानम), चन्द्रनाथ जैन मंदिर (मुदाविदि), सचिन्द्रम एवं गुहानाथ स्वामी का मंदिर (ट्रावनकोर)।
तमिलनाडु	कपीलश्वर एवं पार्थासार्थी मंदिर (मद्रास), जटाएश्वर स्वामी मंदिर (कराइकल), विनायक का गणेश मंदिर, वेदापुरीश्वर शिव मंदिर (पाण्डिचेरी), पक्षीतीर्थम् मंदिर, नटराज मंदिर (चिदम्बरम), रामेश्वरम् का शिव मंदिर (रामेश्वर), रंगनाथ स्वामी मंदिर (श्रीरंगम), वृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर), मीनाक्षी मंदिर (पार्वती) मंदिर (मदुरई), रथ मंदिर, (महाबलिपुरम), एकाम्बेरेश्वर मंदिर और कामाक्षी (पार्वती) मंदिर (सभी कांचीपुरम् में)।
गोआ	सप्तकोटेश्वर मंदिर, श्रीमंगेश मंदिर, श्रीशान्ता दुर्गा मंदिर।
गुजरात	हाथी सिंह मंदिर (अहमदाबाद), सूर्य मंदिर (मोधरा), कीर्ति मंदिर (बड़ौदा), मां अम्बा मंदिर (जूनागढ़), सोमनाथ मंदिर (प्रभास), सुदामा मंदिर (पोरबन्दर), रूक्मिणी और द्वारिकाधीश मंदिर (द्वारिका)।
दिल्ली	लक्ष्मीनारायण मंदिर।
पश्चिम बंगाल	पारसनाथ मंदिर, काली मंदिर (कोलकाता)।
बिहार	हरमंदिर (पटना), विष्णुपाद मंदिर (गया), महाबोधि मंदिर (बोधगया), जलमंदिर (पावापुरी), कोलगेंठ मंदिर (भागलपुर)।
असम	जनार्दन मंदिर, कामाख्या देवी मंदिर, नवग्रह मंदिर (सभा गुवाहाटी), हयाग्रीव माधव मंदिर (हाजी)।
त्रिपुरा	त्रिपुरेश्वरी देवी मंदिर।
मणिपुर	श्रीगोविन्द जी मंदिर (कोइना)।
हरियाणा	लक्ष्मीनारायण और सीता मंदिर (कुरूक्षेत्र)।
हिमाचल	तारादेवी और कामनादेवी मंदिर (शिमला)।
जम्मू-कश्मीर	अमरनाथ मंदिर (कश्मीर), वैष्णोदेवी मंदिर (जम्मू)।

(Continued)

तालिका 2.11: भारत के प्रसिद्ध मंदिर (Continued)

राज्य	प्रसिद्ध मंदिर
महाराष्ट्र	महालक्ष्मी मंदिर (मुम्बई), कैलाश मंदिर (अजन्ता),त्रियम्बकेश्वर मंदिर (नासिक), अतिबालेश्वर मंदिर (महाबालेश्वर), साई बाबा मंदिर (शिरडी), अम्बा मंदिर (कोल्हापुर)।
मध्य प्रदेश	लक्ष्मी नारायण मंदिर (भोपाल), गोपाल मंदिर और महाकाली मंदिर (उज्जैन), गीता भवन और कांच मंदिर (इंदौर), नीलकण्ठ महादेव मंदिर (मांडू), चौंसठ योगिनी मंदिर, कंदरिया महादेव मंदिर, देवी जगदम्बा मंदिर, चित्रगुप्त सूर्य मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, ब्रहा मंदिर, वामन मंदिर, घंटई मंदिर और पार्श्वनाथ मंदिर (सभी खुजराहो में)।
पंजाब	स्वर्ण मंदिर (अमृतसर), डेराबाबा नानक (अमृतसर), दमतल मंदिर (पठानकोट)।
राजस्थान	नाथद्वारा मंदिर, जगदीश मंदिर, एकलिंग मंदिर, चारमुख मंदिर (सभी उदयपुर में), कुम्भश्याम मंदिर और मीरा मंदिर (चित्तौड़गढ़), दिलवाड़ा जैन मंदिर और अचलेश्वर महादेव मंदिर (माउण्ट आबू), ब्रह्मा व पार्वती मंदिर (पुष्कर), रंगवादी मंदिर (कोटा)।
उत्तर प्रदेश	नागबासुकी मंदिर (इलाहाबाद), तुलसीमानस मंदिर, दुर्गामाता मंदिर (वाराणसी), श्रीकृष्ण जन्म भूमि, द्वारिकाधीश व गीता मंदिर (मथुरा), श्रीरामजन्म भूमि, हनुमान गढ़ी, ऋषभदेव जैन मंदिर, त्रेता का मंदिर (सभी अयोध्या में), गोकुलनाथ मंदिर (गोकुल)।
उत्तराखण्ड	महादेव मंदिर (हरिद्वार), केदारनाथ-बद्रीनाथ मंदिर (गढ़वाल), तापकेश्वर मंदिर (देहरादून), कालिका मंदिर (रानीखेत), केसरदेवी मंदिर (अल्मोड़ा)।

तालिका 2.12: भारत के विभिन्न धर्मावलम्बियों के मुख्य तीर्थ स्थल

तीर्थ स्थल का नाम	स्थिति	वर्ग सम्बद्धता	विवरण
माउन्ट आबू	राजस्थान	जैन	दिलवाड़ा जैन मंदिर अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध है।
अमरनाथ	कश्मीर	हिन्दू	हिमालय क्षेत्र की प्रसिद्ध गुफा है जिसमें बर्फ का शिव-लिंग स्वत: ही बनता है।
द्वारका	गुजरात	हिन्दू	भगवान कृष्ण से सम्बद्ध होने के कारण प्रसिद्ध है।
कुरुक्षेत्र	हरियाणा	हिन्दू	ग्रहण लगने पर मेला लगता है।
गंगासागर	पं0 बंगाल	हिन्दू	मकर संक्रान्ति पर मेला लगता है।
गया	बिहार	हिन्दू	पितृ पक्ष का मेला लगता है।
हरिद्वार	उत्तराखण्ड	हिन्दू	धार्मिक स्थल है। यहां कुम्भ का मेला भी लगता है।
जगन्नाथपुरी	ओडिशा	हिन्दू	जगन्नाथ की रथ-यात्रा के लिए प्रसिद्ध है।
ज्वालामुखी	हिमाचल प्रदेश	हिन्दू	यह स्थान मेले के लिए प्रसिद्ध है।
कांचीपुरम्	तमिलनाडु	हिन्दू	विशिष्ट वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है।
मथुरा	उत्तर प्रदेश	हिन्दू	कंस के मेले के लिए प्रसिद्ध है। यहां कृष्ण जन्मभूमि भी दर्शनीय है।
केदारनाथ	उत्तराखण्ड	हिन्दू	पवित्र मंदिर के लिए प्रसिद्ध है।
उज्जैन	मध्य प्रदेश	हिन्दू	कुम्भ मेला लगता है। महाकालेश्वर का प्रसिद्ध मन्दिर है।
इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश	हिन्दू	गंगा-यमुना का संगम है। 12 वर्ष के अन्तराल पर कुम्भ का मेला लगता है।
नासिक	महाराष्ट्र	हिन्दू	कुम्भ का मेला लगता है।

(Continued)

तीर्थ स्थल का नाम	स्थिति	वर्ग सम्बद्धता	विवरण
मदुरै	तमिलनाडु	हिन्दू	मीनाक्षी मंदिर के लिए प्रसिद्ध है।
रामेश्वरम्	तमिलनाडु	हिन्दू	विवेकानन्द रांक स्मारक के लिए प्रसिद्ध है।
श्रीरंगम	तमिलनाड	हिन्दू	प्रसिद्ध हिन्दू मंदिर के लिए विख्यात है।
तिरूपति	आन्ध्र प्रदेश	हिन्दू	विश्व-विख्यात वेंकटेश्वर का मंदिर है।
कोणार्क	ओडिशा	हिन्दू	विश्व-विख्यात सूर्य मंदिर है।
त्रिचूर	करेल	हिन्दू	वडक्कुनाथन मंदिर के लिए विख्यात है।
गुलबर्गा	कर्नाटक	मुस्लिम	बन्दा नवाज चिश्ती की दरगाह पर उर्स का आयोजन बहुत ही प्रसिद्ध है।
बहराइच	उत्तर प्रदेश	मुस्लिम	घासी मसूद के मकबरे पर मशहूर उर्स का आयोजन होता है।
श्रीनगर	कश्मीर	मुस्लिम	हजरतबल मस्जिद मुसलमानों का एक प्रमुख तीर्थस्थल है।
नगोरे	तमिलनाडु	मुस्लिम	उर्स के लिए प्रसिद्ध है।
पलिताना	उत्तर प्रदेश	मुस्लिम	शाह मदार के मकबरे के लिए प्रसिद्ध है।
अमृतसर	पंजाब	सिख	स्वर्ण मंदिर के लिए विख्यात है।
लद्दाख	कश्मीर	बौद्ध	हेमिस गोम्पा बौद्ध बिहार के लिए प्रसिद्ध है।
गोआ	गोआ	ईसाई	बॉब जीसस चर्च में संत फ्रान्सिस जेवियर की ममी के प्रदर्शन के समय एक मेले का आयोजन बहुत ही प्रसिद्ध है।
माउन्ट गिरनार	गुजरात	जैन	प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है।
श्रबलबेलगोला	कर्नाटक	जैन	प्रसिद्ध गोमतीश्वर की मूर्ति के लिए विख्यात है।
चेन्नई	तमिलनाडु	ईसाई	सेंट थॉमस के गिरजाघर के लिए प्रसिद्ध है।

प्रमुख भारतीय भाषाएं

22 भाषाओं को भारतीय संविधान में राष्ट्रीय भाषाओं का दर्जा हासिल है।

असमिया

- भारोपीय परिवार की यह भाषा असम की आधिकारिक भाषा है।

बांग्ला

- यह पं. बंगाल की आधिकारिक भाषा है और यह (भारोपीय)परिवार की भाषा है।

गुजराती

- गुजरात की इस आधिकारिक भाषा की उत्पत्ति भारोपीय परिवार से हुई है।

हिन्दी

- भारतीय-आर्य परिवार की यह भाषा भारत में सबसे ज्यादा तथा दुनिया में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है।
- यह भारत सरकार की आधिकारिक भाषा है और साथ ही इसे देश की राष्ट्र भाषा का दर्जा भी हासिल है।
- हिन्दी भाषा की बोलियों मे ब्रजभाषा, बुंदेली, अवधी, मारवाड़ी और भोजपुरी आती है।

कन्नड़

- यह द्रविड परिवार की भाषा है और कर्नाटक की आधिकारिक भाषा है।

कश्मीरी

- यह भारतीय-आर्य परिवार की भाषा है।

  जम्मू-कश्मीर की 55 प्रतिशत जनता इसे बोलती है परन्तु यह वहां की आधिकारिक भाषा नहीं है।

कोंकणी

- यह गोवा की आधिकारिक भाषा है और महाराष्ट्र कर्नाटक तथा केरल में बड़ी तादाद में लोग इसे बोलते हैं।

- इसे सन् 1992 में 71 वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।

मलयालम

- द्रविड परिवार की इस भाषा को केरल की आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है।

मणिपुरी

- यह मणिपुर की आधिकारिक भाषा है।
- इसे सन् 1992 में 71वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।

मराठी

- महराष्ट्र की इस आधिकारिक भाषा की उत्पत्ति भारतीय-आर्य परिवार से हुई है।

नेपाली

- मूल रूप से नेपाल की इस भाषा को उ.प्र., बंगाल, बिहार और असम में बोला जाता है।
- इसे सन् 1992 में 71वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।

उड़िया

- भारतीय-आर्य परिवार की यह भाषा ओडिशा की आधिकारिक भाषा है।

पंजाबी

- भारतीय-आर्य परिवार की यह भाषा पंजाब की आधिकारिक भाषा है।

संस्कृत

- यह भारत की सबसे प्राचीन तथा संसार की प्राचीनतम भाषाओं में से एक है।
- भारतीय-आर्य परिवार की इस भाषा की उत्पत्ति 2000 ई.पू. में ऋगवैदिक काल में हुई थी।

सिन्धी

- भारतीय-आर्य परिवार की यह भाषा सन् 1967 में 21वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ी गई थी।
- पाकिस्तान में यह अरबी-फरसी लिपि में लिखी जाती है जबकि भारत में यह देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।

तमिल

- तमिलनाडु की यह आधिकारिक भाषा द्रविड परिवार की सबसे पुरानी भाषा है।

तेलुगु

- संख्या की दृष्टि से यह द्रविड भाषाओं में सबसे बड़ी है।
- यह आन्ध्र प्रदेश की आधिकारिक भाषा है।

उर्दू

- यह जम्मू और कश्मीर की आधिकारिक भाषा है।
- उर्दू का वर्तमान स्वरूप सर सैयद अहमद खान (1817-1898) के प्रयासों की देन है।

मैथिली

- इसे सन् 2003 के 92वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।
- यह मुख्यत: पूर्वी उत्तर प्रदेश के अवध-फैजाबाद क्षेत्रों की भाषा है।

बोडो

- इसे सन् 2003 के 92 वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।
- यह असम के बोडो इलाके में बोली जाती है।

डोगरी

- इसे सन् 2003 के 92वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।
- यह जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बोली जाती है।

तालिका 2.13: प्रमुख राज्यों की नाट्य शैली

नाट्य शैली	राज्य
नौटंकी	उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड
स्वांग	पंजाब, हरियाणा
ख्याल	राजस्थान
भगत	उत्तर प्रदेश
मार्च	मध्य प्रदेश
अंकिया	असम
जाका	पश्चिम बंगाल
तमाशा	महाराष्ट्र

तालिका 2.14: संगीत के प्रमुख वाद्य एवं उनके वादक

वाद्य	वादक
सितार	पं. रविशंकर, उस्ताद विलायत खाँ, शशि मोहन भट, मणिलाल नाग, निखिल बनर्जी आदिर
सरोद	उस्ताद अमजद अली खाँ, उस्ताद अली अकबर खाँ, उस्ताद अलाउद्दीन खाँ, चन्दनराय, शारदा रानी आदि।
वीणा	एस. बालचन्दन, कल्याण स्त्रण्ण भगवतार, गोपाल स्त्रण्ण, असद अली आदि।
गिटार	विश्वमोहन भट, ब्रजभूषण काबरा, श्रीकृष्ण नलिन।
वायलिन	टी. एन. कृष्णन, लाल गुडी जयराम।

(Continued)

वाद्य	वादक
शहनाई	बिस्मिल्ला खाँ (2001 में भारत के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से विभूषित), हरि सिंह, शैलेश भागवत आदि।
बाँसुरी	हरिप्रसाद चौरसिया, पन्नालाल घोष, रघुनाथ सेठ आदि।
तबला	अल्ला रखा, गुदई महाराज, जाकिर हुसैन, लतीई खाँ, अम्बिका प्रसाद आदि
सन्तूर	पं. शिवकुमार शर्मा, भजन सोपोरी, तरुण भटाचार्य आदि।
सारंगी	पं. रामनारायण जी, इन्द्रलाल, सावरी खान, ध्रुव घोष, बजीर खाँ।

तालिका 2.15: भारत की लोक कला

लोक कला	प्रदेश
रंगोली	महाराष्ट्र
अहपन	बिहार
आपना	पहाड़ी
गोदना	बिहार
सोन रखना या चौक पूरना	उत्तर प्रदेश
साथिया	गुजरात
मांडणाँ	राजस्थान
मेंहदी	राजस्थान

तालिका 2.16: शास्त्रीय संगीत की शैलियाँ

संगीत शैली	गायककार
कर्नाटक संगीत शैली	मल्लिकार्जुन मंसूर, श्रीनिवास अय्यर, सेमनगुडी, पालघाट राम भागवतर, अरिकुडी रामानुज आयंगर, पलनिसुब्बुड, महाराजपुरम, विश्वनाथ अय्यर, दक्षिणामूर्ति पिल्लै
हिन्दुस्तानी संगीत	हीराबाई वरोडकर
शाथिय गायन	एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी
पंडवानी शैली	तीजनबाई, ऋतु वर्मा
गज़ल गायिकी	पीनाज मसानी, मलिका पुखराज, बेगम अख्तर

तालिका 2.17: भारत में लोक नृत्य एवं लोक गीत

प्रदेश का नाम	लोक नृत्य/लोक गीत
ओडिशा	संचार, डंडानटा, छाऊ, पैका, अया, सवारी, गरुण वाहन, जदूर, मुदारी
उत्तर प्रदेश	रासलीला, नौटंकी, झूला, छपेली, दीवाली
उत्तराखंड	कजरी और करन
पंजाब-हरियाणा	भांगड़ा, गिद्दा, कीकली, घमान, घोड़ी नांच, सांग
हिमाचल प्रदेश	दशहरा, छारबा, महाथू थाली, जद्दा, झैन्ती, छपेली, डांगी
असम	खेल गोपाल, बिहू, कलिगोपाल, महारास, नटपूजा, बोई साजू, खल चांगबी, होब्जानाइ, नागानृत्य, राखल, झकुरा, बिछुआ
नागालैंड	केदोहोह, खैवा, लिम, नूरालिम, कुमी नागा, रेंगमा, चोंग
मणिपुर	बसन्त रस, संकीर्तन, व्यांगटा, की तलम, थावल चोनबी, महारास, राखाल।

(Continued)

तालिका 2.17: भारत में लोक नृत्य एवं लोक गीत (Continued)

प्रदेश का नाम	लोक नृत्य/लोक गीत
राजस्थान	घूमर, जिन्दाद, घापाल, कठपुतली, बगरिया, शंकरिया, पनिहारी, गणगौर, ख्याल, गोपिका, लीला, झूलन लीला, ढोला, मारू, स्वष्ण
जम्मू-कश्मीर	राऊ, हिकत, चाकरी, भारवागीत
गुजरात	गरबा, डांडियारास, रासलीला, गणपति भजन, लास्या, दीपक, भवई, झकोलिया
महाराष्ट्र	लेजम, दहिकला, लावनी, तमाशा, मौनी, बोहदा
मध्य प्रदेश	गोन्यो, गोड़ो, नवरानी, दिवारी, चैत, रीना, शूआ, टपाडी, शैला, बिल्मा, हेरूदना, हुल्की, मांदरी, छेरिया, डागला, पाली
छत्तीसगढ़	सैला, करमा, भगोरिया
मेघालय	बंगला
मिजोरम	पखुपिला, चेरोकान
लक्षद्वीप	परिचा काली
प. बंगाल	जाका, कीर्तन, बाउल, जया, गम्भीरा, रामभेसे, काठी
बिहार	बखो-बखाइन, विदेशिया, माघा, सरहुल, कर्मा, जातरा
झारखण्ड	झाऊ, घुमकुडिया, जदूर, सरहूल, सोहराई, करमा, बैमा, लुझरी, मूका सेन्दरा, माधी, जट-जटनि, जाया, विदायत, कीर्तनियां, पंवरिया, समाचकेवा
केरल	ओणम, थुलाल, कुडीयटम, कालीयटम, कैकोटीकलाई, टम्पात्रिकाली, सारी, भद्रकवि, टप्पतिकलि
कर्नाटक	यक्ष-गान, वीरगास्से, कुजीता, कोडवास, कर्गा
आन्ध्र प्रदेश	घण्टा मरदाला
तमिलनाडु	कोट्टायम, पिन्नल कोलाटम, कुम्भी, कावड़ी, करागम, बसन्त, आत्म

भारत के प्रमुख धर्म

हिन्दू धर्म—यह सिन्धु का फारसी रूपान्तरित शब्द है। छठी शताब्दी में भारत आया तथा इसके आधार पर वेद लिखे गये हैं। पुरातन हिन्दू धर्म के अग्नि, वरूण, सोम, आदि देवता थे। आधुनिक हिन्दू धर्म में शंकराचार्य का अद्वैतवाद सम्मिलित हैं। इस धर्म के अनुयायियों के प्रमुख त्यौहार होली, दीपावली तथा रक्षाबन्धन हैं। इसके अनुयायियों का प्रतिशत 80.5% है।

इस्लाम धर्म—द्वितीय धार्मिक जनसंख्या वाला धर्म है, इसका प्रसार लक्षद्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर तथा असम एवं पश्चिम बंगाल में अधिक है। प्रमुख धार्मिक त्यौहार ईदुल जुहा, ईदुल-फितर, मिला दुलनवी व मोहर्रम हैं। इसके अनुयायियों का प्रतिशत 13.4% है।

सिक्ख धर्म—पूरे भारत में फैला यह धर्म पंजाब में अधिक प्रचारित है। यह केश, कड़ा, कंघा, कृपाण (तलवार) तथा कच्छ में विश्वास करता है। प्रमुख त्यौहार बैसाखी है। इसके अनुयायियों का प्रतिशत 1.84% है।

जैन धर्म—राजस्थान, गुजरात तथा महाराष्ट्र में अधिक अनुयायियों के द्वारा यह पूरे भारत में फैला है। 'त्रिरत्न' मुख्य अंग है—सम्यक श्रद्धा, सम्यक आचरण तथा सम्यक ब्रह्मचर्य। इसी तरह यह पंचमहाव्रतों के पालन पर जोर देता है। इसके अनुयायियों का प्रतिशत 4% है।

बौद्ध धर्म—इसकी स्थापना बुद्ध ने की जिसका अर्थ है प्रकाशन माना इस धर्म के चार महान सत्य हैं तथा आठ अष्टांगिक मार्ग हैं—सम्यक दृष्टि, संकल्प वाणी, कर्म, आजीव, व्यायाम स्मृति तथा सम्यक समाधि है। इसके अनुयायियों का प्रतिशत 0.8% है।

ईसाई धर्म—गोवा, महाराष्ट्र तथा अरुणाचल, तमिलनाडु, केरल में अधिक प्रचलित है तथा दो अंगों में विभक्त है—प्रोटेस्टेन्ट तथा कैथोलिक। इसके अनुयायियों का प्रतिशत 2.33% है।

पारसी धर्म—यह बम्बई के पास अधिक मान्य है।

यहूदी—बहुत कम जनसंख्या में यह सभी जगह पाया जाता है।

तालिका 2. 18: धर्म, पूजास्थल एवं धार्मिक पुस्तक

धर्म	पूजास्थल	धार्मिक पुस्तक
हिन्दू	मंदिर	वेद, महाभारत, पुराण रामायण
इस्लाम	मस्जिद	कुरान
सिक्ख	गुरूद्वारा	गुरु ग्रन्थसाहिब
ईसाई	चर्च	बाइबिल
पारसी	अग्निमंदिर	जेंद अवेस्ता
यहूदी	सिनेसांग	तोरह

भारत की जनजातियाँ

राजस्थान—मीना, भील।
आंध्र प्रदेश—कोय, गौंड, कोण्डा-ढोरस, सुगालिस, येरूकुलास, येनादिस।
मिजोरम—मिर्जा।
मेघालय—खासी, गारो, जयन्तिया।
हिमाचल प्रदेश—भेट, पंग्वाला, कौनौरा, गुज्जर।
कर्नाटक—मराठी, नैक्डा, कोरगा, सोलिगारू, कुरुवा, हसलारु।
अरुणाचल प्रदेश—मिशमी, अबोर, डाफला।
असम—कछारी (सोनवाल), राभा, मिकीर, बोडो।
बिहार—मुण्डा हो, सन्थाल, ओरांव, भूमिज, लोहारा, खरवार, खरिया।
गुजरात—भील, ढाका, डबला, कोकना, नैक्डा, डोढिया, चांधारी, गमिट।
मध्य प्रदेश—भील, गौड़, भिलासस, कौतुहैबा, बंगा, सहारिया, ओरांव, कोंल।
ओडिशा—संथाल, गौंड, खौंड, ओरांव, मुण्ड, लोढ़ा, कोल्हा, भूमिज, परेजा, बथूडी।
नागालैंड—नागा, डिमसा, कुकी।
त्रिपुरा—चकमा, त्रिपुरा, मग, रियांग, नोअतिया, हल्ताम, जामितिया।
अण्डमान निकोबार द्वीप समूह—निकोबारी।
दादरा नागर हवेली—कोम्ना, बरली, ढोडिया।
पश्चिम बंगाल—ओरांव, सन्थाल, भूमिज, कोरा, मुण्डा।
मणिपुर—टोंगखुल, थाडन, माओ।
महाराष्ट्र—ठाकर, गमित, कथोड़ी, कोलीमहादेव, कोवना, भील, गौडा।
तमिलनाडु—कटूनायकन, मलयाली, इरूलर।

महत्त्वपूर्ण पुस्तकें

कामायनी, आजातशत्रु, कंकाल, प्रेमपथिक	**-जयशंकर 'प्रसाद'**
रामचरित मानस, विनय पत्रिका, कवितावली	**-गोस्वामी तुलसीदास**
अमृत और विष, खंजन, नयन, अग्निगर्मा, बिखरे तिनके	**-अमृत लालनागर**
आवारा मसीहा, मेरा वतन	**-विष्णु प्रभाकर**
चित्रलेखा, अधूरा स्पर्श	**-भगवती चरण वर्मा**
बसन्ती, तमस	**-भीष्म साहनी**
झांसी की रानी, मृगनयनी	**-वृन्दावन लाल वर्मा**
चंद्रकांता संतति	**-देवकी नंदन खत्री**
गुनाहों का देवता	**-धर्मवीर भारती**
मैला आँचल	**-फणीश्वर नाथ रेणु**
मधुशाला	**-हरिवंशराय बच्चन**
गोदान, मानसरोवर, रंगभूमि, कर्मभूमि, गबन	**-प्रेमचन्द**
जिंदगी नामा, जिंदारूख	**-कृष्णा सोबती**
यामा, नीहारिका, नीरजा, सांध्यगीत	**-महादेवी वर्मा**
साकेत, यशोधारा, भारत-भारती	**-मैथिलीशरण गुप्त**
अवसर, दीक्षा	**-नरेन्द्र कोहली**
उर्वशी, कुरूक्षेत्र	**-रामधारी सिंह 'दिनकर'**
चिंतामणि	**-रामचंद्र शुक्ल**
युगवाणी, तारापथ, चिदम्बरा	**-सुमित्रनंदन पंत**
शेखर एक जीवनी	**-वात्स्यायन 'अज्ञेय'**

सत्यार्थ प्रकाश	**-स्वामी दयानंद**
झूठा-सच	**-यशपाल**
रामायणम्	**-महर्षि वाल्मीकि**
महाभारत, श्रीमद्भगवत् गीता	**-महर्षि वेदव्यास**
पचतंत्रम्	**-विष्णु शर्मा**
वेणीसंहारम्	**-भट्ट नारायण**
साहित्य दर्पण	**-श्वानाथ आचार्य**
स्वप्नवासदत्ता	**-भास**
मुद्रा राक्षसम्	**-विशाखादत्त**
उत्तररामचरितम्	**-भवभूति**
कादम्बरी, हर्षचरितम्	**-बाणभट्ट**
नीतिशतकम्	**-भर्तृहरि**
किरातार्जुनीयम्	**-भारवि**
शिशुपालवधाम्	**-माघ**
अर्थशास्त्रम्	**-कौटिल्य**
राजतरंगिनी	**-कल्हण**
काव्य प्रकाश	**-मम्मट**
काव्य मीमांसा	**-राजशेखर**
कामसूत्र	**-वात्स्यायन**
मृच्छकटिकम्	**-शूद्रक**
अभिज्ञान शाकुन्तलम्, मालविकाग्निमित्रम् रघुवंशम् कुमारसंभव, मेघदूत	**-कालिदास**
बुद्धचरितम्, नैषधीयचरितम्	**-श्री हर्ष**
शिवराज विजयम्	**-अम्बिका दत्त व्यास**
गीत गोविन्दम्	**-जयदेव**
शाहनामा	**-फिरदौसी**
आइने अकबरी, अकबरनामा	**-अबुल फजल**
लाइफ डिवाइन	**-अरविन्दो घोष**
कागज़ ते केनवास	**-अमृता प्रीतम**
प्रथम प्रतिश्रुति	**-आशापूर्णा देवी**
आनंद मठ	**-बंकिम चंद चटर्जी**
अनटोल्ड स्टोरी	**-बी.एम. कौल**
ययाति	**-विष्णु सखाराम खांडेकर**
द नेशंस वॉयज	**-सी. राजगोपालाचारी**

इंटरनल इंडिया, माई ट्रूथ	**-इंदिरा गांधी**
डिस्कवरी ऑई इण्डिया	**-जवाहर लाल नेहरू**
आफ्टर नेहरू	**-कुलदीप नैयर**
फ्रीडम बिहान्इड बॉस	**-किरण बेदी**
अवर इंडिया	**-मीनू मसानी**
कांटीनेन्ट आर्फीसर्स	**-नीरद सी. चौधारी**
द गाइड	**-आर. के. नारायण**
द मूर्स लास्ट साई, सैटेनिक वर्सेज	**-सलमान रश्दी**
डिवाइन लाइफ	**-शिवानंद**
लज्जा	**-तस्लीमा नसरीन**
इंडियन ड्रग्मा	**-एस. चलपति राम**
मिडनाइट चिल्ड्रन	**-सलमान रश्दी**
डायना: हर ट्रू स्टोरी	**-एंड्रयू मार्टिन**
वेल्च ऑई नेशंस	**-एडम स्मिथ**
पोलिटिक्स	**-अरस्तु**
ओरिजन ऑई स्पीसीज	**-चार्ल्स डार्विन**
स्मॉल वर्ल्ड	**-डेविड लाज**
ऐपिल कार्ट, मैन एंड सुपरमेन, आर्म्स एंड द मैन	**-जॉर्ज वर्नाड शॉ**
एशियन ड्रामा	**-गुन्नार मिर्डल**
आन लिबर्टी	**-जान स्टुअर्ट मिल**
पैराडाइज लास्ट	**-जॉन मिल्टन**
दास कैपीटल	**-कार्ल मार्क्स**
औथेलो, हेमलेट, किंग लीयर, मर्चेंट ऑफवेनिस	**-विलियम शेक्सपीयर**
गैदरिंग स्टोर्क्स	**-विन्सटन चर्चिल**
द इनसाइडर	**-पी.वी. नरसिम्हा राव**
द ब्यूटीफुल वर्सेज	**-आर. के. शर्मा**
मास्टर साहब	**-महाश्वेता देवी**
इमरजिंग विजन ऑफ इण्डिया	**-शिवराज पाटिल**
प्राइड ऑफ इंडिया	**-परसिस खंवाटा**
द गॉड ऑफ स्माल थिंग्स	**-अरूंधाती राय**
वर्शिपिंग फॉल्स गॉड्स	**-अरुण शौरी**
दि ट्रेन टू पाकिस्तान	**-खुशवंत सिंह**

तालिका 2.19: भारत के प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

	प्रशिक्षण संस्थान	राज्य
1.	(एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट), नैनीताल	उत्तराखण्ड
2.	लाल बहादुर शास्त्री नेशनल ऐकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी	उत्तराखण्ड
3.	इंडियन मिलिट्री ऐकेडमी, देहरादून	उत्तराखण्ड
4.	राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज, देहरादून	उत्तराखण्ड
5.	एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज, हैदराबाद	आंध्र प्रदेश
6.	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिटी डेवलपमेंट, हैदराबाद	आंध्र प्रदेश
7.	नेशनल पुलिस ऐकेडमी, हैदराबाद	आंध्र प्रदेश
8.	सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ संस्कृत, तिरूपति	आंध्र प्रदेश
9.	इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
10.	पेराटूप ट्रेनिंग कॉलेज, आगरा	उत्तर प्रदेश
11.	कॉलेज ऑफ सैटेलाइट कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, अहमदाबाद	गुजरात
12.	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन	नई दिल्ली
13.	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन	नई दिल्ली
14.	नेशनल डिफेंस कॉलेज	नई दिल्ली
15.	नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा एण्ड एशियन थियेटर	नई दिल्ली
16.	संगीत नाटक ऐकेडमी	दिल्ली
17.	स्कूल ऑफ फॉरेन लेंगुएजेज	नई दिल्ली
18.	वाटर मैनेजमेंट इंजीनियरिंग लेबोरेटरी	नई दिल्ली
19.	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	खडगपुर/कानपुर/नई दिल्ली/ चेन्नई/मुम्बई
20.	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट	कोलकाता/अहमदाबाद/बंगलौर
21.	हिमालय माउण्टेनियरिंग इंस्टीट्यूट, दार्जिलिंग	पश्चिम बंगाल
22.	स्कूल ऑफ ट्रोपीकल मेडिसिन्स, कोलकाता	पश्चिम बंगाल
23.	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, धनबाद	झारखंड
24.	लक्ष्मी बाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजीकल एजुकेशन, ग्वालियर	मध्य प्रदेश
25.	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला	पंजाब
26.	एयर फोर्स फ्लाइंग कॉलेज, जोधापुर	राजस्थान
27.	आर्मड् फोरसेज मेडिकल कॉलेज, पुणे	महाराष्ट्र
28.	कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग, किरकी, पुणे	महाराष्ट्र
29.	नेशनल डिफेंस ऐकेडमी, खडगवाला, पुणे	महाराष्ट्र
30.	सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ लेंग्वेजेज़, मैसूर	कर्नाटक

तालिका 2.20: भारत के प्रमुख शोध संस्थान

संस्थान		संबंधित राज्य
1.	भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली	दिल्ली
2.	राष्ट्रीय प्रतिरोधक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	दिल्ली
3.	राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली	दिल्ली
4.	केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	दिल्ली
5.	राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली	दिल्ली
6.	राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत मंत्रालय (निस्केयर)	दिल्ली
7.	आगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे	महाराष्ट्र
8.	भारतीय मौसम वेधशाला, पुणे	महाराष्ट्र
9.	भारतीय उष्ण मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे	महाराष्ट्र
10.	इंडियन एसोसिएशन फॉर कल्टीवेशन ऑफ सांइस, पुणे	महाराष्ट्र
11.	भू-चुम्बकीय भारतीय संस्थान, मुम्बई	महाराष्ट्र
12.	भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुम्बई	महाराष्ट्र
13.	राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे	महाराष्ट्र
14.	राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान नागपुर	महाराष्ट्र
15.	हिन्दुस्तान एन्टीबायोटिक्स, पिम्परी, पुणे	महाराष्ट्र
16.	सेन्टर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग, पुणे	महाराष्ट्र
17.	भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून	उत्तराखंड
18.	वाडिया संस्थान, देहरादून	उत्तराखंड
19.	भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून	उत्तराखंड
20.	केन्द्रीय भवन, अनुसंधान संस्थान, रूडकी	उत्तराखंड
21.	हिन्दुस्तान एन्टीबायोटिक्स, ऋषिकेश	उत्तराखंड
22.	रमण अनुसंधान, बंगलूर	कर्नाटक
23.	भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बंगलूर	कर्नाटक
24.	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र का गौरी बिदानूर भूकम्प केंद्र, बंगलूर	कर्नाटक
25.	केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर	कर्नाटक
26.	जवाहर लाल नेहरू उन्नत, वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बंगलूर	कर्नाटक
27.	राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशाला, बंगलूर	कर्नाटक
28.	श्री चित्र तिरूमल संस्थान, तिरूवनन्तपुरम्	केरल

(Continued)

संस्थान		संबंधित राज्य
29.	उपग्रह ट्रैकिंग व रेजिंग केन्द्र, कालाबूर	केरल
30.	क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, तिरूवनन्तपुरम्	केरल
31.	राष्ट्रीय एटलस तथा विषयक मानचित्रण संगठन, कोलकाता	पश्चिम बंगाल
32.	बोस संस्थान, कोलकाता	पश्चिम बंगाल
33.	भारतीय रासायनिक जीव विज्ञान संस्थान, कोलकाता	पश्चिम बंगाल
34.	केन्द्रीय कांच तथा सिरामिक अनुसंधान संस्थान, कोलकाता	पश्चिम बंगाल
35.	केन्द्रीय यांत्रिक अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुर	पश्चिम बंगाल
36.	उपग्रह नियंत्रण केंद्र, श्री हरिकोटा	आंध्र प्रदेश
37.	राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	आंध्र प्रदेश
38.	कोशिकीय एवं आण्विक जीव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद	आंध्र प्रदेश
39.	परमाणु खनिज विभाग, हैदराबाद	आंध्र प्रदेश
40.	केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी	राजस्थान
41.	केन्द्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन, चंडीगढ़	पंजाब
42.	सूक्ष्म जीव प्रौद्योगिकी संस्थान, चंडीगढ़	पंजाब
43.	केन्द्रीय विद्युत रसायन अनुसंधान संस्थान, कराईकुडी	तमिलनाडु
44.	केन्द्रीय चर्म अनुसंधान, चेन्नई	तमिलनाडु
45.	संरचनात्मक अभियांत्रिकी अनुसंधान केंद्र, चेन्नई	तमिलनाडु
46.	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र, कलपक्कम	तमिलनाडु
47.	केन्द्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर	गुजरात
48.	विद्युत् अनुसंधान और विकास संस्थान, बडोदरा	गुजरात
49.	केन्द्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान प्रयोगशाला, धनबाद	झारखंड
50.	राष्ट्रीय धातु कर्म प्रयोगशाला, जमशेदपुर	उत्तर प्रदेश
51.	केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
52.	राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
53.	केन्द्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
54.	भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
55.	भारतीय गन्ना शोध संस्थान, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
56.	प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान, भोपाल	मध्य प्रदेश
57.	डाउन रेन्ज केन्द्र, कार निकोबार	अण्डमान व निकोबार
58.	राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, दोना पाउला, गोवा	गोवा

(Continued)

तालिका 2.20: भारत के प्रमुख शोध संस्थान *(Continued)*

संस्थान		संबंधित राज्य
59.	उत्तर पूर्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहट	असम
60.	टाकलाई एक्सपेरीमेन्टल स्टेशन, जोरहट	असम
61.	भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू	जम्मू-कश्मीर
62.	हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकीय संस्थान, पालमपुर	हिमाचल प्रदेश
63.	खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर	ओडिशा
64.	केन्द्रीय चावल शोध संस्थान, कटक	ओडिशा
65.	फल शोध संस्थान, सब्बौर, भागलपुर	बिहार
66.	भारतीय चीनी तकनीकी संस्थान, कानपुर	उत्तर प्रदेश
67.	भारतीय लौह अनुसंधान संस्थान, रांची	झारखंड
68.	राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	हरियाणा
69.	सेन्ट्रल पोटेटो रिसर्च इंस्टीट्यूट, शिमला	हिमाचल प्रदेश
70.	सेन्ट्रल कोकोनट रिसर्च इंस्टीट्यूट, कासरगोड	केरल
71.	सेन्ट्रल टोबैको रिसर्च इंस्टीट्यूट, राजमुंदरी	आंध्र प्रदेश
72.	केन्द्रीय ट्रैक्टर संस्थान, नई दिल्ली	दिल्ली

तालिका 2.21: खाद्यान्न उत्पादन मे भारत के शीर्ष राज्य

खाद्यान्न	:	उत्तर प्रदेश (18.24%),	पंजाब (11.62%),	आंध्र प्रदेश (8.36%)
चावल	:	प. बंगाल (15.2%),	आंध्र प्रदेश (13.7%),	उत्तर प्रदेश (12.1%)
गेहूं	:	उत्तर प्रदेश (32.6%),	पंजाब (20.1%),	हरियाणा (13.0%)
मक्का	:	आंध्र प्रदेश (19.0%),	कर्नाटक (17.1%),	राजस्थान (10.3%)
मोटे अनाज	:	राजस्थान (17.47%),	महाराष्ट्र (17.4%),	कर्नाटक (17.0%)
दलहन	:	महाराष्ट्र (20.46%),	मध्य प्रदेश (16.6%),	आंध्र प्रदेश (11.5%)
तिलहन	:	मध्य प्रदेश (21.34%),	महाराष्ट्र (16.3%),	गुजरात (15.9%)
मूंगफली	:	गुजरात (35.9%),	आंध्र प्रदेश (28.3%),	तमिलनाडु (11.4%)
रेपसीड एवं सरसों	:	राजस्थान (40.4%),	उत्तर प्रदेश (17.1%),	हरियाणा (10.2%)
सोयाबीन	:	मध्य प्रदेश (49.9%),	महाराष्ट्र (36.2%),	राजस्थान (9.7%)
सूरजमुखी	:	कर्नाटक (40.4%),	आंध्र प्रदेश (30.1%),	महाराष्ट्र (13.7%)
गन्ना	:	उत्तर प्रदेश (35.8%),	महाराष्ट्र (25.4%),	गुजरात (10.9%)
कपास	:	गुजरात (32.0%),	महाराष्ट्र (27.1%),	आंध्र प्रदेश (13.5%)
जूट एवं मेस्ता	:	प. बंगाल (73.9%),	बिहार (13.0%),	असम (6.0%)
आलू	:	उत्तर प्रदेश (41.7%),	प. बंगाल (31.2%),	बिहार (5.1%)
प्याज	:	महाराष्ट्र (28.4%),	गुजरात (24.5%),	कर्नाटक (10.0%)

तालिका 2.22: विभिन्न क्षेत्रों के लिए निर्धारित मानक

IS/ISO 9001	:	गुणवत्ता प्रबंधनतंत्र
IS/ISO 14001	:	पर्यावरण प्रबंधनतंत्र
ISO 18001	:	व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधनतंत्र
IS/ISO 22000	:	खाद्य सुरक्षा प्रबंधनतंत्र
IS/ISO/IEC 17025	:	हैजार्ड एनालिसिस एंड क्रिटिकल कंट्रोल प्वाइंट्स एंड प्रयोगशाला प्रबंधनतंत्र
ISO 27001	:	सुरक्षा व्यवस्था
ISO 9202	:	आभूषणों की शुद्धता
ISO 17799	:	सूचना सुरक्षा
ISO 15700	:	अमूल्य सेवा गुणवत्ता प्रबंधन प्रमाणन पद्धति

तालिका 2.23: कल्याणकारी योजनाएँ एवं कार्यक्रम

योजनाएँ	मुख्य विशेषताएं
मध्याह्न भोजन योजना	कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लाभ के लिए उनका नामांकन, मौजूदगी और उपस्थिति बढ़ाने के साथ-साथ उनके पोषाहार स्तर में सुधार करना मुख्य लक्ष्य
गेहूँ आधारित पोषाहार कार्यक्रम (2001-2002)	इसके तहत आबंटित खाद्यान्न का उपयोग राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा समेकित बाल विकास योजना के अंतर्गत 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों तथा गर्भवती/दूध पिलाने वाली माताओं को पोषण आहार दिलाने में किया जाता है। इसका संचालन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
छात्रावासों/कल्याण संस्थानों को खाद्यान्न आपूर्ति योजना (2002-03)	आश्रयहीन/बेघर या लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली या किसी अन्य कल्याण योजना के तहत न आने वाली अन्य श्रेणियों की मदद करने वाले छात्रावासों/गैर सरकारी संगठनों या धर्मार्थ संस्थानों जैसे कल्याणकारी संस्थाओं की आवश्यकता पूर्ति हेतु बीपीएल आवंटन का 5 प्रतिशत अधिक खाद्यान्न राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को दिए जाते हैं।
अजा/अजजा/अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रावास (1994)	जिन छात्रावासों में अजा/अजजा/अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों की संख्या 2/3 है, वहाँ 15 किग्रा प्रति छात्र प्रतिमाह की दर से खाद्यान्न मुहैया कराया जाएगा। इसका संचालन उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय करती है।
अन्नपूर्णा योजना (2000-01)	65 वर्ष या इससे अधिक आयु वर्ग के ऐसे असहाय वृद्ध नागरिक आते हैं, जो राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशनयोजना के पात्र तो हैं, किंतु उनको इसका लाभ नहीं मिल रहा है। इस योजना में प्रति व्यक्ति प्रतिमाह 10 किग्रा खाद्यान्न नि:शुल्क दिया जाता है। यह योजना राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना एवं राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना से मिलकर बने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के साथ राज्य योजना को स्थानांतरित कर दिया गया है।
किशोरियों के लिए पोषाहार कार्यक्रम (एनपीएजी) (2002-03)	इसके अंतर्गत प्रत्येक बड़े राज्य के दो सर्वाधिक पिछड़े जिलों तथा शेष छोटे राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में सर्वाधिक जनसंख्या वाले जिलों (राज्यों की राजधानी को छोड़कर) कुपोषित किशोरियों (11-19 वर्ष) गर्भवती/दूध पिलाने वाली माताओं के चिह्नित परिवारों को 6 किग्रा/ व्यक्ति की दर से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है।

(Continued)

तालिका 2.23: कल्याणकारी योजनाएँ एवं कार्यक्रम *(Continued)*

योजनाएँ	मुख्य विशेषताएं
आपात आहार कार्यक्रम (2001)	बीपीएल से नीचे रहने वाले परिवारों के वृद्ध, अक्षम तथा बेसहारा लोगों को विपत्ति के समय भोजन मुहैया कराने की खाद्य आधारित पहल है। यह योजना ओडिशा सरकार द्वारा 8 KBK जिलों—बोलनगीर, कालाहांडी, कोरापुट, मलकानगिरि, नवरागपुर, नौपदा, रायगढ़ तथा सोनपुर में चलाई जा रही है। इसके तहत प्रत्येक लाभार्थी को 6 कि.ग्रा. प्रतिमाह की दर से खाद्यान्न आबंटित किया जाता है।
ग्रामीण खाद्यान्न बैंक योजना (1996-97)	जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के दौरान भूखमरी से सुरक्षा प्रदान करना है।
लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (1997)	गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों को 35 किग्रा. खाद्यान्न की न्यूनतम मात्रा उपलब्ध सुनिश्चित करना।
अंत्योदय अन्न योजना (25 दिसंबर, 2000)	लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए शुरू की गई। निर्धनों में भी निर्धनतम परिवार को दो रूपये प्रति किग्रा. की दर से गेहूं तथा तीन रूपये प्रति किग्रा. की दर से चावल उपलब्ध कराया जाता है। कुल खाद्यान्न की मात्रा 35 किग्रा. प्रति परिवार है। 12.5 करोड़ परिवार इससे लाभान्वित होते हैं।

तालिका 2.24: भारत में राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य

भारत में मुख्य रूप से 103 राष्ट्रीय पार्क तथा 543 पशु बिहार हैं। भारत में प्रोजेक्ट टाइगर (Project Tiger) योजना 1 अप्रैल, 1973 में लागू की गयी।

राष्ट्रीय उद्यान/अभ्यारण्य का नाम	राज्य
बांधनगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, शहडोल	मध्य प्रदेश
वान्दीपुर राष्ट्रीय उद्यान, मैसूर	कर्नाटक
बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान, बंगलौर	कर्नाटक
वोरीविली राष्ट्रीय उद्यान, मुम्बई	महाराष्ट्र
कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान, नैनीताल	उत्तराखंड
दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, लखीमपुर-खीरी	उत्तर प्रदेश
इराम्बिकुलम राजमल्ले राष्ट्रीय उद्यान, इदुक्की	केरल
गिर राष्ट्रीय उद्यान, जूनागढ़	गुजरात
कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान, मंडला एवं बालाघाट	मध्य प्रदेश
मुदुमलाई अभ्यारण्य, नीलिगिर	तमिलनाडु
काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, जोरहाट	असम
खंगजादेंग राष्ट्रीय उद्यान, गंगटोक	सिक्किम
नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान, कुर्ग	कर्नाटक
नवेगाँव राष्ट्रीय उद्यान, भंडारे	महाराष्ट्र
रोहला राष्ट्रीय उद्यान, कुल्लू	हिमाचल प्रदेश
शिवपुरी (माधाव) राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश
तदोबा राष्ट्रीय उद्यान, चन्द्रपुर	महाराष्ट्र
दचिगाम अभ्यारण्य, श्रीनगर	जम्मू-कश्मीर
डम्का अभ्यारण्य, आइजॉल	मिजोरम
गरम पानी अभ्यारण्य, दिकू	असम
केवलादेव पक्षी विहार, भरतपुर	राजस्थान
गौतम बुद्ध अभ्यारण्य, गया	बिहार
इन्टाकी अभ्यारण्य, कोहिमा	नागालैंड
कावला अभ्यारण्य, आदिलाबाद	आंध्र प्रदेश
मालापटी पक्षी बिहार, नैल्लोर	आंध्र प्रदेश
मनास अभ्यारण्य, बारपेट	असम
नामदफा अभ्यारण्य, तिरप	अरुणाचल प्रदेश
पलामू अभ्यारण्य, डालटनगंज	झारखण्ड
रणथम्भौर टाइगर प्रोजेक्ट, सवाई माधोपुर	राजस्थान
सिरिस्का अभ्यारण्य, अलवर	राजस्थान
सिमिलीपाल अभ्यारण्य, मयूरभंज	ओडिशा
सुन्दरवन टाइगर रिजर्व, चौबीस परगना	पश्चिम बंगाल

तालिका 2.25: भारत में प्रमुख पर्यटन स्थान

पर्यटन स्थल	स्थान
डल झील	श्रीनगर
स्वर्ण मंदिर	अमृतसर
एलीफेंटा गुफाएँ	मुम्बई
गेटवे ऑफ इण्डिया	मुम्बई
कैलाश मंदिर	एलोरा
खजुराहो मंदिर	खजुराहो
मालाबार हिल्स	मुम्बई
मीनाक्षी मंदिर	मदुरै
नटराज	चेन्नई
मारबिल रोक्स	जबलपुर
अजन्ता की गुफाएँ, एलौरा की गुफाएँ व कैलाश मंदिर	औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
गरसोपा झरने	कर्नाटक
कन्याकुमारी मंदिर	कन्याकुमारी
अमरनाथ की गुफा	कश्मीर
लक्ष्मी विलास महल	बड़ौदा
बीबी का मकबरा	औरंगाबाद
लालगढ़ महल	बीकानेर
वृहदेश्वर मंदिर	तन्जौर
लिंगराज मंदिर	भुवनेश्वर
चार मीनार	हैदराबाद
महाकालेश्वर का मंदिर	उज्जैन
चन्नाकेशव मंदिर	वैलूर
मान मंदिर महल	ग्वालियर
चिलका झील	भुवनेश्वर के पास
दिलवाड़ा के मंदिर	माउण्ट आबू
नटराज मंदिर	चेन्नई
पिछौला झील	उदयपुर
निशात बाग	श्रीनगर
माउण्ट गिरनार पर्वत	जैन मंदिर जूनागढ़
राजघाट	दिल्ली
पंचमहल	फतेहपुर सीकरी
सारनाथ	वाराणसी
कुतुबमीर	दिल्ली
लालकिला	दिल्ली
गोमतेश्वर की प्रतिमा	श्रवण बेलगोला (कर्नाटक)
शालीमार बाग	श्रीनगर
ईगल्स नेस्ट (रायगढ़ का किला)	कोलाबा (महाराष्ट्र)
शान्ति वन	दिल्ली
स्वर्ण मंदिर	अमृतसर
हावड़ा ब्रिज	कोलकाता
गोल गुम्बज	बीजापुर
आइसलैण्ड पैलेस	उदयपुर
हवा महल, आमेर का किला	जयपुर
पद्नाभ स्वामी मंदिर	त्रिवेन्द्रम (तिरुअनन्तपुरम)
जलमहल	उदयपुर
सांची का स्तूप	सांची, भोपाल के पास (म.प्र.)
ताजमहल, लाल किला, सिकन्दरा, एत्मादुद्दौला	आगरा
समुद्र तट मंदिर (शोर मंदिर)	महाबलीपुरम
जय स्तम्भ, कीर्ति स्तम्भ	चित्तौड़गढ़
उग्र नरसिंह की मूर्ति	हम्पी
जगन्नाथ मंदिर	पुरी
तिरुपति मंदिर	आंध्र प्रदेश
जन्तर-मन्तर	नई दिल्ली
विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज	कोलकाता
हैगिंग गार्डन्स	मुम्बई
विक्टोरिया मैमोरियल	कोलकाता
बुलन्द दरवाजा	फतेहपुर सीकरी
विजय स्तम्भ	चित्तौड़गढ़
वृन्दावन गार्डन्स	मैसूर
दयाल स्ट्रीट	कोलकाता
ब्लैक पैगोडा	कोणार्क (ओडिशा)
शक्ति स्थल	दिल्ली
विजयघाट	दिल्ली
महेशमूर्ति (त्रिमूर्ति)	एलीफेंटा गुफाएँ

तालिका 2.26: बहुउद्देश्यीय परियोजनाएँ एवं राज्य

क्र.	परियोजना	नदी	उद्देश्य	राज्य
1.	नागार्जुन सागर	कृष्णा	सिंचाई एवं पन बिजली	आंध्र प्रदेश
2.	तुंगभद्रा	तुंगभद्रा	सिंचाई एवं पनबिजली	आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक
3.	पोचमपाद	गोदावरी	सिंचाई	आंध्र प्रदेश
4.	मालप्रभा	मालप्रभा	सिंचाई	कर्नाटक
5.	ऊपरी कृष्णा परियोजना	कृष्णा	सिंचाई	कर्नाटक
6.	घाटप्रभा परियोजना	घाट प्रभा	पन बिजली एवं सिंचाई	कर्नाटक
7.	वाण सागर परियोजना	सोन	सिंचाई	बिहार, मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश
8.	कोलर्डम परियोजना	सतलुज	पनबिजली एवं सिंचाई	हिमाचल प्रदेश
9.	काकरापारा	ताप्ती	सिंचाई	गुजरात
10.	पानम परियोजना	पानम	सिंचाई	गुजरात
11.	नाफ्था झाकरी परियोजना (एशिया की सबसे बड़ी परियोजना)	सतलुज	सिंचाई	हिमाचल प्रदेश
12.	उकाई	ताप्ती	सिंचाई एवं पनबिजली	गुजरात
13.	सलाल परियोजना	चेनाब	पनबिजली तथा सिंचाई	जम्मू-कश्मीर
14.	माही परियोजना	माही	सिंचाई	गुजरात
15.	जायकवाड़ी परियोजना	गोदावरी	सिंचाई	महाराष्ट्र
16.	भीमा परियोजना	पावना नदी एवं कृष्णा नदी	पनबिजली एवं सिंचाई	महाराष्ट्र
17.	तवा परियोजना	तवा नदी	सिंचाई	मध्य प्रदेश
18.	थीन डैम परियोजना	रावी नदी	सिंचाई	पंजाब
19.	हिडकल परियोजना	घाट प्रभा	पनबिजली तथा सिंचाई	कर्नाटक
20.	हंसदेव वर्गो	हंसदेव वर्गो नदी	सिंचाई	मध्य प्रदेश
21.	कांगसावती परियोजना	कांगसावती नदी	पनबिजली तथा सिंचाई	पश्चिम बंगाल
22.	राम गंगा परियोजना	राम गंगा	सिंचाई एवं पनबिजली	उत्तर प्रदेश
23.	फरक्का परियोजना	गंगा	पनबिजली, सिंचाई एवं नौ परिवहन	पश्चिम बंगाल
24.	चम्बल परियोजना (इस पर तीन बांध हैं—गांधी सागर, राणा प्रताप सागर तथा जवाहर सागर बांध)	चम्बल	सिंचाई एवं पनबिजली	मध्य प्रदेश, राजस्थान
25.	कोसी परियोजना	कोसी	सिंचाई एवं बाढ़ नियन्त्रण	बिहार
26.	मयूराक्षी परियोजना	मुरली नदी	सिंचाई एवं पनबिजली	पश्चिम बंगाल

(Continued)

क्र.	परियोजना	नदी	उद्देश्य	राज्य
27.	चुखा परियोजना	वांग चू नदी	पनबिजली एवं सिंचाई	भारत और भूटान
28.	हीराकुद परियोजना	महानद	पनबिजली एवं सिंचाई	ओडिशा (इसका मुख्य बांध संसार का सबसे बड़ा मुख्य धारा बांध है)
29.	सरदार सरोवर	नर्मदा नदी	पनबिजली एवं सिंचाई	मध्य प्रदेश, गुजरात एवं महाराष्ट्र
30.	टिहरी बांध परियोजना	भागीरथी ओर भीलंगाना	पनबिजली	उत्तर प्रदेश
31.	भाखड़ा नंगल परियोजना	सतलुज	पनबिजली एवं सिंचाई (भाखड़ा बांध की ऊचाई 226 मी तथा लम्बाई 618 मी है। यह संसार का दूसरा सबसे बड़ा बांध है।)	पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं राजस्थान
32.	इन्दिरा गाँधी नहर (राजस्थान नहर परियोजना)	सतलुज	सिंचाई	राजस्थान, पंजाब एंव हरियाणा
33.	दामोदर घाटी परियोजना	दामोदर नदी	बाढ़-नियन्त्रण, पनबिजली	बिहार, पश्चिम बंगाल

तालिका 2.27: भारत एवं उससे लगी हुई प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएँ एवं उनकी ऊँचाई

पर्वत श्रृंखला	देश	समुद्रतल से ऊँचाई (मीटर में)
एवरेस्ट	नेपाल-तिब्बत	8,848
के-2 गाडविन-आस्टिन	भारत	8,611
कंचनजंघा	भारत-नेपाल	8,598
मकालू	नेपाल-तिब्बत	8,475
धौलागिरि	नेपाल	8,172
नंगा पर्वत	भारत	8,126
अन्नापूर्णा	नेपाल	8,078
गाशेरब्रूम	भारत	8,068
ब्रॉड पीक	भारत	8,047
गोशेननाथ	तिब्बत	8,013
दिस्तेगिर सर	भारत	7,885
नंदा देवी	भारत	7,817
रकापोशी	भारत	7,788
सिया कंमडी	भारत	7,422
बद्रीनाथ	भारत	7,138
त्रिशूल	भारत	7,138
नुनकुन	भारत	7,135

तालिका 2. 28: प्रमुख भारतीय नगर एवं उनके प्रचलित नाम

नगर/स्थान	प्रचलित उपनाम	राज्य
आगरा	मुगलों का शहर	उत्तर प्रदेश
जयपुर	भारत का पेरिस	राजस्थान
कावेरी	दक्षिण की गंगा	कर्नाटक
कोलकाता	महलों का शहर	प. बंगाल
कोचीन	अरब सागर की रानी	केरल
जयपुर	गुलाबी शहर	राजस्थान
कानपुर	उत्तर प्रदेश का मैनचेस्टर	उत्तर प्रदेश
अजमेर	राजस्थान का हृदय	राजस्थान
चित्तौड़गढ़	राजस्थान का गौरव	राजस्थान
छत्तीसगढ़	धान की डलिया	छत्तीसगढ़
हिमाचल प्रदेश	फलों की डलिया	हिमाचल प्रदेश
मैसूर	कर्नाटक का रत्न	कर्नाटक
मदुरै	त्यौहारों का नगर	तमिलनाडु
पुणे	दक्षिणी की रानी	महाराष्ट्र
दिल्ली	भारत का दिल	दिल्ली राज्य
कानुपर	राष्ट्रीय राजमार्गों का चौराहा	उत्तर प्रदेश

(Continued)

तालिका 2.28: प्रमुख भारतीय नगर एवं उनके प्रचलित नाम (Continued)

नगर/स्थान	प्रचलित उपनाम	राज्य
श्रीनगर	पुलों की नगरी	जम्मू–कश्मीर
कोलकाता	डायमण्ड हार्बर	प. बंगाल
मुम्बई	सात टापुओं का नगर	महाराष्ट्र
श्रीनगर	झीलों का नगर	जम्मू–कश्मीर
वाराणसी	मंदिरों एवं घाटों का नगर	उत्तर प्रदेश
लखनऊ	नवाबों का नगर	उत्तर प्रदेश
कोसी नदी	बिहार का शोक	बिहार
मुम्बई	भारत का हॉलीवुड	महाराष्ट्र
जमशेदपुर	इस्पात नगरी	बिहार
मसूरी	पर्वतों की रानी	उत्तराखंड
लक्षद्वीप	समुद्र–पुत्र	लक्षद्वीप
केरल	दक्षिण का कश्मीर	केरल
अहमदाबाद	भारत का मैनचेस्टर	गुजरात
पंजाब	पाँच नदियों की भूमि	पंजाब
नीलगिरि की पहाड़ियाँ	ब्लू माउण्टेंस	हिमाचल प्रदेश
दामोदर नदी	बंगाल का शोक	प. बंगाल
मुम्बई	भारत का प्रवेश द्वार	महाराष्ट्र
बंगलौर	भारत का बगीचा	कर्नाटक
केरल	भारत का मसालों का बगीचा	केरल
कश्मीर	भारत का स्विट्जरलैण्ड	जम्मू–कश्मीर
फिरोजाबाद	चूड़ियों का शहर	उत्तर प्रदेश

भारत के प्रमुख फसल उत्पादक राज्यों का क्रम

चावल	:	उ.प्र., प. बंगाल, आंध्र प्रदेश, पंजाब
गेहूँ	:	उ.प्र., पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश
मक्का	:	उ.प्र., बिहार, राजस्थान, पंजाब
बाजरा	:	राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र एवं हरियाणा
ज्वार	:	महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश एवं आंध्र प्रदेश
जौ	:	उ.प्र., बिहार एवं मध्य प्रदेश
गन्ना	:	उ.प्र., महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक
कपास	:	गुजरात, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र
जूट	:	प. बंगाल, बिहार, असम एवं ओडिशा
तिलहन	:	गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब एवं हरियाणा
मूँगफली	:	गुजरात, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक
सोयाबीन	:	मध्य प्रदेश
सरसों	:	राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश
सूरजमुखी	:	कर्नाटक, महाराष्ट्र एंव आंध्र प्रदेश
नारियल	:	केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश
अरेंडी	:	गुजरात
अलसी	:	छत्तीसगढ़
दाल	:	मध्य प्रदेश, उ.प्र., राजस्थान, पंजाब, हरियाणा
चना	:	मध्य प्रदेश, तमिलनाडु
चाय	:	असम, प. बंगाल, नीलगिरि पहाड़ी
कॉफी	:	कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, मिजोरम
रबड़	:	केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक
तंबाकू	:	गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु
सेब	:	हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर
सुपारी	:	केरल, कर्नाटक, असम, मेघालय
केला	:	महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु
इलायची	:	कर्नाटक, सिक्किम, केरल
काजू	:	केरल एवं आंध्र प्रदेश
लाल मिर्च	:	महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल
लौंग	:	केरल
कोको	:	केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु
अदरक	:	केरल, मेघालय
अंगूर	:	महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक
लाख	:	झारखंड, बिहार, उ.प्र., मध्य प्रदेश
आम	:	उ.प्र., बिहार, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र
संतरा	:	महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु
काली मिर्च	:	केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु
अनानास	:	असम, मेघालय, प. बंगाल
रागी	:	कर्नाटक, तमिलनाडु

केसर	:	जम्मू एवं कश्मीर
शीतोष्ण फल	:	जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश
हल्दी	:	आंध्र प्रदेश, ओडिशा

मवेशियों की सर्वाधिक संख्या—उ.प्र., मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार एवं राजस्थान

मवेशियों का सर्वाधिक घनत्व—महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक एवं राजस्थान

भारत में मवेशियों की नस्ल सुधारने के कार्य से संबद्ध संस्थानें—

(i) सूरतगढ़ (राजस्थान), (ii) घामरोड (गुजरात), (iii) अलमाड़ी (तमिलनाडु), (iv) चिपलीमा (ओडिशा), (v) सुनाबेदा (ओडिशा), (vi) अंदेशनगर (उत्तर प्रदेश), (vii) हैस्सरघट्टा (कर्नाटक)

हैस्सरघट्टा स्थित सेंट्रल फ्रोजन सीमेन प्रोडक्शन एवं ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट देश में अपने प्रकार का महत्त्वपूर्ण संस्था है।

दुग्ध उत्पादक राज्य—उ.प्र., पंजाब, हरियाणा, बिहार, आंध्र प्रदेश, राजस्थान

भारत के भेड़ नस्ल सुधार केन्द्र—

(i) भैसोर, (उ.प्र.), (ii) फतेहपुर (राजस्थान) (iii) दकसुम, (जम्मू एवं कश्मीर) (iv) पमीदापल्ली (आंध्र प्रदेश) (v) हिसार (हरियाणा) सैंट्रल शीप ब्रीडिंग फार्म

भारत में बकरियों की संख्या क्रमश—उ.प्र., राजस्थान, बिहार एवं मध्य प्रदेश। कर्नाटक में बकरियों की संख्या नगण्य है।

भारत के प्रमुख खनिज उत्पादक राज्य

लौह अयस्क	:	झारखंड (सिंहभूम), ओडिशा (क्योंझर, तालचेर, मयूरभंज), महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गोवा
बॉक्साइट	:	झारखंड (रांची एवं पलामू), मध्य प्रदेश (बालाघाट, जबलपुर), छत्तीसगढ़ (बिलासपुर) तथा महाराष्ट्र (बेलगाम, ठाणे)
कोयला	:	झारखंड (झरिया, बोकारो, गिरिडीह, करनपुर), प. बंगाल (रानीगंज), आंध्र प्रदेश (सिंगरेनी), मध्य प्रदेश (चंदा तथा पेंच वैली)
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस	:	असम—डिगबोई (देश का सबसे पुराना), लखीमपुर, डिब्रूगढ़, नहरकटिया, मोरन, शिवसागर, रूद्रसागर
गुजरात	:	कैम्बे, कलोल, अंकलेश्वर
मुम्बई हाई	:	महाराष्ट्र
प्राकृतिक गैस	:	असम, गुजरात, राजस्थान
तांबा	:	राजस्थान (खेतड़ी), झारखंड (सिंहभूम तथा मोसाबानी), मध्य प्रदेश (मलयखंड)
हीरा	:	मध्य प्रदेश (पन्ना), कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश
सोना	:	आंध्र प्रदेश (अंनतपुर जिले के रत्नागिरि क्षेत्र), कर्नाटक (कोलार जिले के रायचुर एवं हुट्टी खान), झारखंड (स्वणरिखा नदी घाटी)
मैंगनीज	:	ओडिशा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र
जस्ता	:	राजस्थान (जावार क्षेत्र, अलवर जिला), गुजरात
सीसा	:	आंध्र प्रदेश (अग्नीगुंडाला), ओडिशा (सरगीपल्ली)
अभ्रक	:	झारखंड (हजारीबाग), बिहार (गया), आंध्र प्रदेश (नैल्लोर) एवं राजस्थान
चूना पत्थर	:	मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, उत्तराखंड के देहरादून में उत्तम किस्म का चूना पत्थर पाया जाता है।
संगमरमर	:	राजस्थान
ग्रेनाइट	:	तमिलनाडु, कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश
जिप्सम	:	राजस्थान, तमिलनाडु एवं जम्मू एवं कश्मीर
निकल	:	ओडिशा, झारखंड तथा तमिलनाडु
चांदी	:	कर्नाटक, राजस्थान, झारखंड
एंटीमॅनी	:	पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, बिहार
एसबैस्टस	:	आंध्र प्रदेश एवं झारखंड

बेराइट्स	:	आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र
क्रोमाइट	:	आंध्र प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक
डोलोमाइट	:	मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा
ग्रेफाइट	:	आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल
गंधक	:	तमिलनाडु, बिहार
टिन	:	बिहार एवं झारखंड
थोरियम	:	केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश
यूरेनियम	:	मध्य प्रदेश, मेघालय, हिमाचल प्रदेश
बेरिलियम	:	राजस्थान, झारखंड एवं तमिलनाडु
इल्मेनाइट	:	तमिलनाडु तथा केरल
मैग्नेसाइट	:	तमिलनाडु एवं उत्तराखंड
चट्टानी फॉस्फेट	:	मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, झारखंड
नमक	:	गुजरात, तमिलनाडु
चट्टानी नमक	:	हिमाचल प्रदेश

भारत के प्रमुख औद्योगिक वस्तुओं के उत्पादक राज्य

सूती वस्त्र उद्योग	:	गुजरात, महाराष्ट एवं तमिलनाडु
जूट उद्योग	:	प. बंगाल, आंध्र प्रदेश, बिहार
रेशमी वस्त्र उद्योग	:	कर्नाटक, असम, प. बंगाल
ऊनी वस्त्र उद्योग	:	पंजाब, महाराष्ट्र, उ.प्र.
सिंथेटिक	:	महाराष्ट्र, गुजरात, उ.प्र. वस्त्र उद्योग

लोहा एवं इस्पात उत्पादन केन्द्र—

बोकारो	:	झारखंड
भिलाई	:	छत्तीसगढ़
राउरकेला	:	ओडिशा
विशाखापत्तनम	:	आंध्र प्रदेश
सलेम	:	तमिलनाडु
भद्रावती	:	कर्नाटक
जमशेदपुर	:	झारखंड
दुर्गापुर	:	प. बंगाल
बर्नपुर	:	प. बंगाल
रानीपुर	:	प. बंगाल
गोपालपुर	:	ओडिशा

एल्युमीनियम उत्पादन केन्द्र—

बेलगाम	:	कर्नाटक
हीराकुद	:	ओडिशा
रेनूकूट	:	उ.प्र.
कोरबा	:	छत्तीसगढ़
रत्नागिरि	:	कर्नाटक
कोरापुट	:	ओडिशा

तांबा परिष्करण—

खेतरी	:	राजस्थान
सिंहभूम तथा	:	झारखंड मोसाबनी
मलयखंड	:	महाराष्ट्र

भारी मशीन उद्योग—

रांची (झारखंड)
विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश)
दुर्गापुर (प. बंगाल)

मशीन टूल्स उद्योग—

बंगलौर (कर्नाटक)
पिंजौर (हरियाणा)
कलामैसेरी (केरल)
हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)
श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)
अजमेर (राजस्थान)

भारी इलेक्ट्रिकल उद्योग—

भोपाल (मध्य प्रदेश)
हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)
तिरूचिरापल्ली (तमिलनाडु)
हरिद्वार (उत्तराखंड)

रेलवे इंजन—

चितरंजन, विद्युत (प. बंगाल)
वाराणसी, डीजल (उ.प्र.)

जमशेदपुर, विद्युत (झारखंड)
भोपाल, विद्युत (मध्य प्रदेश)
पैराम्बूर, रेल डब्बे (तमिलनाडु)
कपूरथला, रेल डब्बे (पंजाब)
दुर्गापुर, पहिये एवं धुरे (प. बंगाल)
बंगलूरू, पहिए एवं धुरे (कर्नाटक)

जलपोत निर्माण उद्योग—

कोचीन (केरल)
विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश)
मझगांव (मुम्बई)

मोटर गाड़ी उद्योग—

कारें	:	फियट (मुंबई)
		एंबैसेडर (कोलकाता)
		मारूति (गुड़गाँव)
		हुंडई और होंडा (नोएडा)
बसें	:	चेन्नई एवं मुम्बई
जीप	:	मुम्बई, पुणे, गुड़गाँव
स्कूटर एवं मोटर	:	पुणे (महाराष्ट्र) साइकिल
		मुम्बई (महाराष्ट्र)
		फरीदाबाद (हरियाणा)
		चेन्नई (तमिलनाडु)
		मैसूर (कर्नाटक)
		लुधियाना (हरियाणा)
		तिरूपति (आंध्र प्रदेश)
साइकिल	:	मुम्बई, आसनसोल (प. बंगाल),
		सोनीपत (हरियाणा),
		दिल्ली, चेन्नई एवं जालंधर (हरियाणा)
ट्रेक्टर	:	फरीदाबाद (हरियाणा)
		पिंजौर (हरियाणा)
		दिल्ली
		मुम्बई
		चेन्नई
रासायनिक उर्वरक	:	तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गुजरात, केरल और आंध्र प्रदेश
		सिंदरी (झारखंड)
		नांगल (पंजाब)
		ट्रॉम्बे (महाराष्ट्र)
		गोरखपुर (उ.प्र.)
		दुर्गापुर (प. बंगाल)
		नामरूप (असम)
		कोच्चि (केरल)
		राउरकेला (ओडिशा)
		नैवेली (तमिलनाडु)
		वाराणसी (उ.प्र.)
		वडोदरा (गुजरात)
		विशाखापत्तनम् (आंध्र प्रदेश)
		कोटा (राजस्थान)
		कानपुर (उ.प्र.)

औषधि निर्माण—

हिंदुस्तान	:	ऋषिकेश (उत्तराखंड) एंटीबायोटिक्स
		पिम्परी (महाराष्ट्र)
		हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)
		गुडगांव (हरियाणा)
		चेन्नई (तमिलनाडु)
		मुजफ्फरपुर (बिहार)
कीटनाशक	:	दिल्ली
		उद्योगमंडल (केरल)
		रसायनी (महाराष्ट्र)
सीमेंट	:	तमिलनाडु
		मध्य प्रदेश
		गुजरात
		कर्नाटक
		छत्तीसगढ़
चमड़ा उद्योग	:	उत्तर प्रदेश (आगरा, कानपुर)
		कोलकाता
		मुंबई
		चेन्नई
		दिल्ली
शीशा उद्योग	:	उत्तर प्रदेश
		महाराष्ट्र
		प. बंगाल
कागज उद्योग	:	पश्चिम बंगाल
		आंध्र प्रदेश
		ओडिशा
		महाराष्ट्र
चीनी	:	महाराष्ट्र
		उ.प्र.
		आंध्र प्रदेश
		तमिलनाडु

तेल परिशोधन केन्द्र—

नुमालीगढ़ (असम)
मंगलौर (कर्नाटक)
डिगबोई (असम)
गुवाहाटी (असम)
बरौनी (बिहार)
कोयाली (गुजरात)
हल्दिया (प. बंगाल)
मथुरा (उ.प्र.)
मुंबई (महाराष्ट्र)
नागापत्तनम (आंध्र प्रदेश)
चेन्नई (तमिलनाडु)
बोंगईगांव (असम)
कोच्चि (केरल)
पानीपत (हरियाणा)
जामनगर (गुजरात)
ट्राम्बे (महाराष्ट्र)
मनाली (तमिलनाडु)
तातीपाका (आंध्र प्रदेश)

भारत के महत्वपूर्ण औद्योगिक संयंत्र एवं उनकी स्थिति

- हिंदुस्तान केबल्स, रूपनारायनपुर, प. बंगाल
- हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लि. बंगलौर, हैदराबाद, लखनऊ
- नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लि. परिष्करण संयंत्र धेनकनाल (ओडिशा)
- इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्री, बंगलौर (उत्पादन इकाइयां राय बरेली (उ.प्र.), नैनी (उ.प्र.), पालघाट (केरल) तथा श्रीनगर में)
- एचएमटी घड़ियां—बंगलौर
- सेक्यूरिटी पेपर मिल, होशंगाबाद
- मिग विमान—कोरापुट (ओडिशा)—इंजन
  हैदराबाद—इलैक्ट्रानिक यंत्र
  औजार (नासिक) फ्रैम
- नेशनल न्यूजप्रिंट एवं पेपर मिल, नेपानगर (मध्य प्रदेश)
- नेशनल फर्टिलाईजर्स लि. नंगल (पंजाब), भटिंडा (पंजाब), पानीपत (हरियाणा), विजयनगर (आंध्र प्रदेश)
- भारतीय उर्वरक कारपोरेशन सिंदरी (झारखंड), गोपालपुर (ओडिशा), तालचेर (ओडिशा), रामागुंडम (आंध्र प्रदेश)
- राष्ट्रीय केमिकल एंड फर्टिलाइजर्स लि. ट्रॉम्बे (महाराष्ट्र), थल (महाराष्ट्र)

तालिका 2.29: विभिन्न राज्यों की प्रमुख नहरें

	स्रोत एवं स्थान
पंजाब तथा हरियाणा	
1. पश्चिम युमना नहर	यमुना, तेजेवाला नामक स्थान से
2. गुड़गांव नहर	यमुना, ओखला (दिल्ली)
3. अपर बारी (बड़ी) दोआब नहर	रावी, माधोपुर (पठान कोट के पास)
4. पूर्वी (फिरोजपुर) नहर	रावी, (माधोपुर—व्यास संपर्क नहर)
5. बिस्त दोआब नहर	सतलुज, नोवा
6. भाखड़ा बांध	सतलुज, रोपड़
7. सरहिंद नहर	सतलुज, रोपड़
8. नंगल बांध की नहरें	सतलुज, नंगल।

	स्रोत एवं स्थान
उत्तरप्रदेश तथा उत्तराखंड	
1. ऊपर गंगा नहर	गंगा, मायापुर (हरिद्वार के निकट)
2. निचली गंगा नहर	गंगा, नरौरा
3. बेतवा नहर	बेतवा, परिछा (झांसी के निकट)
4. पूर्वी यमुना नहर	यमुना, फैजाबाद (सहारनपुर के निकट)
5. आगरा नहर	यमुना, ओखला
6. शारदा नहर	गोमती, बनवासा
7. गंडक नहर	गंडक, भैंसा—लोटन (बिहार-उत्तर प्रदेश सीमा पर)

(Continued)

	स्रोत एवं स्थान
बिहार	
1. पूर्वी सोन नहर	सोन, वारून
2. पश्चिम सोन नहर	सोन, डेहरी
3. गंडक (त्रिवेणी) नहर	गंडक, भैसा-लोटन
4. कोसी बांध की नहर	कोसी, कोसी बांध परियोजना
पश्चिम बंगाल	
1. दामोदर नहर	दामोदर, दामोदर बांध परियोजना
2. मिदनापुर नहर	कोसी, मिदनापुर
3. इडन नहर	दामोदर
4. मयूराक्षी योजना की नहरें	मयूराक्षी, तिलपाड़ा तथा कनाडा बांध
5. कंसावती योजना की नहरें	कंसावती, अम्बिका
6. फरक्का योजना की नहरें	गंगा, फरक्का तथा जंगीपुर बांध
राजस्थान	
1. राजस्थान नहर	सतलुज, हरिके
2. बीकानेर (गंग) नहर	सतलुज, हुसैनवाला
3. चम्बल योजना की नहर	चंबल, गांध सागर, राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर तथा कोटा बांध
मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़	
1. महानदी नहर	महानदी, रूद्री
2. चंबल की नहरें	चंबल, मुरैना
3. वैन गंगा नहर	वैन गंगा
4. तवा परियोजना की नहरें	तवा, हरयागढ़
5. मोला बांध की नहरें	मोला, मोला बांध, दकदमा
6. वरना परियोजना	वरना, वरना बांध
ओडिशा	
1. महानदी डेल्टा की नहरें	महानदी तथा सहायक नदियां
2. सलंदी नहर	सलंदी, हदगढ़ तथा विद्याधरपुर
3. हीराकुद बांध परियोजना की नहरें	महानदी, हीराकुद बांध
4. केंदपारा नहर	विरूपा, जगदलपुर
5. तलकंदा नहर	महानदी

	स्रोत एवं स्थान
गुजरात	
1. तापी परियोजना की नहरें	तापी, कवकर
2. गिरना परियोजना की नहरें	परामाही, माही बांध
3. उकाई परियोजना की नहरें	तापी, उकाई
महाराष्ट्र	
1. गोदावरी नहर	गोदावरी, बेल झील के निकट बांध
2. गिरना परियोजना की नहरें	गिरना, पंजन (नासिक के निकट)
3. नीरा परियोजना की नहरें	नीरा, नीरा बांध परियोजना
4. मूठा नहर	फाइप झील, खड़कवासला
5. भंडारदरा बांध योजना की नहरें	भंडारदरा बांध
6. मूला परियोजना की नहरें	मूला, अहमदनगर के निकट
केरल	
1. मंगलम योजना की नहरें	मंगलम नौगांव बांध
2. मालमपूला योजना की नहरें	मालमपूजा, मालमपूला बांध
3. वलयार परियोजना की नहरें	वलयार, वलयार बांध
तमिलनाडु	
1. कावेरी डेल्टा की नहरें	कोलेरू, श्रीरंग बांध
2. मैटूर परियोजना की नहरें	कावेरी, मैटूर बांध
3. पेरियार परियोजना की नहरें	पेरियार परियोजना
4. निचली भवाली योजना की नहरें	भवाली, भवाली बांध
आंध्र प्रदेश	
1. कृष्णा डेल्टा की नहरें	कृष्णा, विजयवाड़ा
2. गोदावरी डेल्टा की नहरें	गोदावरी
3. गोदावरी घाटी योजना की नहरें	गोदावरी, कवाचली गोदाम तथा कुस्तपुरम बांध
4. नार्गाजुन सागर परियोजना की नहरें	कृष्णा, नंदीकोड़ा
5. तुंगभद्रा परियोजना की नहरें	तुंगभद्रा, मालापूरम
6. कृष्णा-पेन्नार परियोजना की नहरें	कृष्णा, सिद्धेश्वर पेन्नार, सोमेश्वर
7. मच्चकुंड परियोजना की नहरें	मच्चकुंड, जलपुर
8. रामपद सागर परियोजना की नहरें	कृष्णा, गोदावरी, पोलावरम

(Continued)

तालिका 2.29: विभिन्न राज्यों की प्रमुख नहरें (Continued)

	स्रोत एवं स्थान
कर्नाटक	
1. ऊपरी कृष्णा परियोजना की नहरें	कृष्णा, नारायणपुर बांध
2. तुंगा बांध की नहरें	तुंगा, शिमोगा
3. मालप्रभा योजना की नहरें	मालप्रभा, बेलगांव
4. मद्रा परियोजना की नहरें	मद्रा, लक्कावली
5. घाटप्रभा परियोजना की नहरें	घाटप्रभा बांध

तालिका 2.30: भारत की प्रमुख बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएं

योजना का नाम	स्थिति/राज्य	उद्देश्य
1. नागार्जुन सागर	कृष्णा नदी, आंध्र प्रदेश	सिंचाई व जल विद्युत
2. पोचमपद परियोजना	गोदावरी नदी, आंध्र प्रदेश	सिंचाई
3. ऊपरी और निचली सिलेरू परियोजना	सिलेरू नदी, आंध्र प्रदेश	जल विद्युत
4. ककरपारा	ताप्ती नदी, गुजरात	सिंचाई
5. कोठागुडम	सिंगरेनी कोयला क्षेत्र, आंध्र प्रदेश	ताप विद्युत
6. कोसी परियोजना	कोसी नदी, बिहार	बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई,जल विद्युत
7. गंडक परियोजना	गंडक नदी, उत्तर प्रदेश	सिंचाई, जल विद्युत
8. धुवारण परियोजना	खेड़ा जिला, गुजरात	ताप विद्युत
9. सबारीगिरि (पाम्बा कक्की) परियोजना	पाम्बा कक्की नदी, केरल	जल विद्युत
10. इदुक्की परियोजना	पेरियार नदी, केरल	विद्युत
11. चंबल परियोजना	चंबल नदी, राजस्थान	सिंचाई और जलविद्युत
12. तावा परियोजना	तावा नदी, मध्य प्रदेश	सिंचाई
13. कोरबा परियोजना	कोरबा कोयला क्षेत्र, छत्तीसगढ़	ताप विद्युत
14. सतपुड़ा परियोजना	पत्थरकडा कोयला क्षेत्र, मध्य प्रदेश	ताप विद्युत
15. कोयना परियोजना	कोयना नदी, महाराष्ट्र	जल विद्युत
16. नागपुर परियोजना	कोराडी (नागपुर के पास) महाराष्ट्र	ताप विद्युत
17. तुंगभद्रा बहुउद्देशीय परियोजना	तुंगभद्रा नदी, कर्नाटक आंध्र प्रदेश	सिंचाई, जल तथा विद्युत
18. ऊपरी कृष्णा	कृष्णा नदी, कर्नाटक	सिंचाई
19. शरावती परियोजना	शरावती नदी, (जोग प्रपात के निकट) कर्नाटक	जल विद्युत
20. हीराकुंड बहुउद्देशीय परियोजना	महानदी, ओडिशा	जल विद्युत, सिंचाई
21. महानदी डेल्टा	महानदी, ओडिशा	सिंचाई
22. तालचेर परियोजना	तालचेर, ओडिशा	ताप विद्युत
23. भाखड़ा-नांगल परियोजना	सतलुज नदी, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब	जल विद्युत, सिंचाई
24. राजस्थान नहर परियोजना	सतलुज नदी (पंजाब से नहर का आरंभ)	सिंचाई
25. कुंद्हा परियोजना	कुंद्हा नदी, तमिलनाडु	जल विद्युत
26. नैवेली शक्ति परियोजना	नैवेली, तमिलनाडु	ताप विद्युत
27. रामगंगा बहुउद्देशीय परियोजना	च्युसोत नदी, (कालागढ़ के निकट) उत्तराखंड	सिंचाई, जल विद्युत
28. माताटिल्ला बहु-उद्देशीय परियोजना	बेतवा, मध्य प्रदेश	सिंचाई, जल विद्युत

(Continued)

योजना का नाम	स्थिति/राज्य	उद्देश्य
29. रिहन्द परियोजना	रिहन्द नदी, उत्तर प्रदेश	जल विद्युत
30. ओबरा परियोजना	ओबरा, उत्तर प्रदेश	ताप विद्युत
31. दामोदर घाटी परियोजना	दामोदर नदी, झारखंड	बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई व जल विद्युत
32. ऊकई परियोजना	ताप्ती नदी, गुजरात	सिंचाई
33. माही परियोजना	माही नदी, गुजरात	सिंचाई
34. घाटप्रभा परियोजना	घाटप्रभा नदी, आंध्र प्रदेश	सिंचाई
35. भीमा परियोजना	भीमा नदी, महाराष्ट्र	सिंचाई
36. सरदार सरोवर परियोजना	नर्मदा नदी, गुजरात	सिंचाई और जल विद्युत
37. बाणसागर परियोजना	सोन नदी, मध्य प्रदेश	सिंचाई और जल विद्युत
38. दुलहस्ती परियोजना	चेनाब नदी, जम्मू-कश्मीर	जल विद्युत
39. सलाल परियोजना	चेनाब नदी, जम्मू-कश्मीर	जल विद्युत
40. थीन बांध परियोजना	रावी नदी, पंजाब	सिंचाई और जल विद्युत
41. मलप्रभा परियोजना	मलप्रभा नदी, कर्नाटक	सिंचाई
42. जायकवाड़ी परियोजना	गोदावरी नदी, महाराष्ट्र	सिंचाई
43. व्यास परियोजना	व्यास नदी, पंजाब	जल विद्युत

योजना का नाम	स्थिति/राज्य	उद्देश्य
44. शारदा सहायक परियोजना	घाघरा नदी, उत्तर प्रदेश	सिंचाई
45. मयूराक्षी परियोजना	मयूराक्षी नदी, प. बंगाल	सिंचाई, जल विद्युत
46. राणा प्रताप सागर परियोजना	चंबल नदी, राजस्थान	जल विद्युत
47. सूरतगढ़ ताप	राजस्थान	ताप विद्युत
48. मैटूर परियोजना	कावेरी नदी, तमिलनाडु	जल विद्युत
49. पल्लीवासल परियोजना	मंदिरापुझा नदी, केरल	जल विद्युत
50. पापानासम परियोजना	ताम्रपरणी नदी, तमिलनाडु	जल विद्युत
51. लोकटक परियोजना	लोकटक झील	जल विद्युत
52. टिहरी परियोजना	भिलंगना (गंगा) नदी, उत्तराखंड	जल विद्युत
53. फरक्का परियोजना	गंगा नदी, प. बंगाल	सिंचाई
54. दमनगंगा परियोजना	दमनगंगा नदी, गुजरात	जलविद्युत, सिंचाई
55. तापोवन विष्णुगढ़ परियोजना	धौली गंगा, उत्तराखंड	जलविद्युत
56. गिरणा परियोजना	गिरणा नदी, महाराष्ट्र	सिंचाई, जल विद्युत
57. ओंकारेश्वर परियोजना	नर्मदा नदी, महाराष्ट्र	सिंचाई, जल विद्युत

आर्थिक क्रियाकलाप में संलग्न जनसंख्या का उपनाम

(1) प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न लोग—लाल कॉलर कार्यकर्ता

(2) द्वितीयक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न लोग—फैक्ट्री लेबर

(3) तृतीयक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न लोग—गुलाबी कॉलर कार्यकर्ता

(4) चतुर्थक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न लोग—सफेद कॉलर कार्यकर्ता

(5) पंचम आर्थिक क्रियाओं में संलग्न लोग—गोल्ड कॉलर कार्यकर्ता

तालिका 2.31: प्रमुख उष्ण कटिबंधीय चक्रवात

चक्रवात का स्थानीय नाम	क्षेत्र
(i) चक्रवात	भारत, बांग्लादेश
(ii) ताइफून	चीन सागर
(iii) विली विली	उत्तर-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया
(iv) टॉरनैडो	ऑस्ट्रेलिया एवं मध्य अक्षांशीय देश
(v) ट्वीस्टर	संयुक्त राज्य अमेरिका
(vi) हरीकेन	वेस्ट इंडीज

भारत के रेलवे ज़ोन एवं मुख्यालय

रेलवे ज़ोन	मुख्यालय
1. उत्तर रेलवे	नई दिल्ली
2. मध्य-उत्तर रेलवे	इलाहाबाद (उ.प्र.)
3. पूर्वोत्तर रेलवे	गोरखपुर (उ.प्र.)
4. उत्तर-पश्चिम रेलवे	जयपुर (राजस्थान)
5. उत्तर-पूर्व सीमांत रेलवे	मालेगांव (गुवाहाटी)
6. पूर्वी रेलवे	कोलकाता
7. पूर्व तटवर्ती रेलवे	भुवनेश्वर (ओडिशा)
8. पूर्व-मध्य रेलवे	हाजीपुर (बिहार)
9. पश्चिम-मध्य रेलवे	जबलपुर (मध्य प्रदेश)
10. मध्य रेलवे	मुंबई सेंट्रल
11. पश्चिम रेलवे	चर्च गेट, मुंबई
12. दक्षिण रेलवे	चेन्नई
13. दक्षिण मध्य रेलवे	सिकंदराबाद (आंध्र प्रदेश)
14. दक्षिण पूर्व रेलवे	कोलकाता
15. दक्षिण-पश्चिम रेलवे	हुबली (कर्नाटक)
16. दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे	बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
17. कोंकण रेलवे	मंगलौर (कर्नाटक)
18. कोलकाता मेट्रो ज़ोन	कोलकाता (प. बंगाल)

अद्यतन तथ्य एवं आँकड़े

तालिका 2.32: भारत आज और कल

नवीन पहलें	देश में प्रथम
• देश की पहली स्वच्छ बस सेवा का प्रारम्भ	तिथि—8 नवम्बर, 2016 को प्रारम्भ, स्थान—तिरूवनंतपुर (केरल में)
• देश की पहली वॉटर मेट्रो परियोजना का प्रारम्भ	तिथि—23 जुलाई, 2016 को प्रारम्भ, स्थान—कोच्चि (केरल में) ***नोट***—कोच्चि वॉटर मेट्रो योजना के नाम से प्रारम्भ यह योजना कोच्चि के द्वीपों को कोच्चि शहर से जोड़ेगी।
• देश की प्रथम सेमी हाई-स्पीड ट्रेन	तिथि—8 अप्रैल, 2016 को प्रारम्भ, स्थान—नई दिल्ली से आगरा तक, ट्रेन का नाम—गतिमान एक्सप्रेस, स्पीड—160 किमी./घण्टा। ***नोट***—यह ट्रेन शुक्रवार को छोड़कर अन्य सभी दिनों सेवा देगी।
• अपराधियों का डीएनए प्रोफाइलिंग प्रारम्भ करने वाला देश का पहला राज्य	20 अगस्त, 2016 को आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा अपराधियों की डीएनए प्रोफाइलिंग तैयार करने हेतु डीएनए सूचकांक प्रणाली का प्रारम्भ किया। ऐसा करने वाला आंध्र प्रदेश पहला राज्य बन गया।

(Continued)

नवीन पहलें	देश में प्रथम
• देश की पहली 2जी एथेनॉल बायो रिफाइनरी	तिथि—26 दिसम्बर, 2016 को प्रारम्भ, स्थान—पंजाब के भटिंडा जिले के तरखनवाला स्थान पर, कुल व्यय—600 करोड़ रूपये, स्थापना—सार्वजनिक के उपक्रम एचपीसीएल द्वारा। **उद्देश्य**—सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने तथा पर्यावरणीय चिंताओं को कम करने के लिए पेट्रोल में मौजूदा 5 प्रतिशत एथेनॉल के स्थान पर 10 प्रतिशत एथेनॉल मिलाना तय किया है। एथेनॉल की आवश्यकता पूर्ति के लिए इस रिफाइनरी की स्थापना की गयी है। यह रिफायनरी कृषि अपशिष्टों का प्रयोग कर प्रतिदिन 100 किलोलीटर एथेनॉल का उत्पादन करेगी।
• देश का प्रथम नदी जिला	तिथि—जून, 2016, स्थान—माजुली, असम ***नोट***—880 वर्ग किमी. क्षेत्रफल में विस्तृत यह द्वीप ब्रह्मपुत्र नदी (असम) पर स्थित है। इसने अमेजन नदी में स्थित ब्राजील के मराजो द्वीप को पीछे छोड़ दिया और विश्व का सबसे बड़ा नदीय द्वीप बन गया। असम सरकार ने इसे प्रथम नदी जिला घोषित किया।
• देश की पहली पॉड टैक्सी 'मेट्रिनो'	पॉड टैक्सी में छोटे-छोटे केबिन होते हैं, जिसमें चार से पांच सवारी बैठ सकती है। यह पॉड टैक्सी स्वचालित वाहन होती है जो एक अंतराल पर हवा में लटके हुए निर्देशित मार्ग पर डॉकिंग स्टेशन से गुज़रती है। यह टैक्सी बिना पैट्रोल-डीजल के चलती है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि इसे चलाने के लिए किसी ड्राइवर की जरूरत नहीं पड़ती है और टैक्सी में बैठे मुसाफिरों को इसमें लगे टच स्क्रीन पर केवल उस जगह का नाम टाइप करना होता है जहाँ उन्हें जाना है क्योंकि यह कम्प्यूटर प्रोग्राम के जरिये चलती है इसलिए तय स्टेशन आते ही टैक्सी रुक जाती है और दरवाजा अपने आप खुल जाता है। ***नोट***—देश में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने देश की पहली पॉड टैक्सी जिसका नाम मेट्रिनो है दिल्ली-गुडगांव सीमा से बादशाहपुर मोड के बीच सोहना रोड तक जो 13 किमी. लम्बा है, पर चलाने का पायलट प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया है।
• वाहन ट्रैकिंग प्रणाली	उ.प्र. राज्य सड़क परिवहन निगम, देश का पहला ऐसा परिवहन निगम है, जो अंतर-शहरी बस परिवहन के लिए वाहन ट्रैकिंग प्रणाली से युक्त है। इस प्रणाली के लागू होने से वाहन चालक, वाहन की गति सीमा के प्रति सावधनी रखता है, जिससे दुर्घटनाओं को कम करने में सहायता मिलती है।
• देश का पहला रक्षा औद्योगिक पार्क .	ओट्टाप्पलम, केरल में स्थापित।
• डाल्फिन सूचना केंद्र	देश का सबसे बड़ा घड़ियाल अभ्यारण चंबल में ही देश का पहला 'डाल्फिन सूचना केंद्र' **भिंड में बरही घाट** पर बनाया जायेगा।
• वाई-फाई मेट्रो शहर	**कोलकाता** देश का पहला वाई-फाई सक्षम शहर बन गया। यह सेवा रिलायंस जियो उपलब्ध करा रहा है।
• वाई-फाई सुविधा वाला पहला रेलवे स्टेशन	बंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन को भारतीय रेलवे ने यह सुविधा रेल टेल कार्पोरेशन ऑफ इंडिया की ब्राडबैण्ड डिस्ट्रीब्यूशन ईकाई 'रेलवायर' के जरिये उपलब्ध करायी गयी है।
• देश का पहला पर्यटन विश्वविद्यालय	नोयडा, उ.प्र. में।
• राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना	थाउबल जिला, मणिपुर।
• कोरल गार्डन	कोरल प्रजातियों को संरक्षित करने और राज्य मे पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुजरात में देवभूमि द्वारिका जिले के मीठापुर तटीय क्षेत्र में देश का पहला कोरल गार्डन बनाया जायेगा।

(Continued)

तालिका 2.32: भारत आज और कल *(Continued)*

नवीन पहलें	देश में प्रथम
• देश की प्रथम मोनो रेल	स्वतंत्र भारत की पहली मोनोरेल मुंबई में प्रारंभ की गयी जिसका उद्घाटन 1 फरवरी, 2014 को संपन्न हुआ।
• सर्वाधिक SEZ वाले राज्य	1. तमिलनाडु (36), 2. महाराष्ट्र (25), 3. कर्नाटक (25), 4. तेलंगाना (24), 5. आंध्र प्रदेश (18)
• विश्व का सबसे ऊँचा स्थलीय अनुसंधान केन्द्र	डीआरडीओ ने **लद्दाख में पैगांग झील के पास चांगला** नामक स्थान पर दुनिया का सबसे ऊँचा अनुसंधान केन्द्र स्थलीय स्थापित किया।
• डायमंड पार्क	इंगवासा गॉव, इंदौर, मध्यप्रदेश में, पीपीपी (PPP) मॉडल के तहत स्थापित किया जा रहा है।
• देश की सबसे लम्बी सुरंग	चेनानी नाशरी सुरंग (एन.एच. 44 पर) श्रीनगर में स्थित है। इसका उद्घाटन 2 अप्रैल, 2017 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया।

भारत 2017-2018 अद्यतन तथ्य कोष

- वर्तमान में बजट पेश करने की अवधि जो फरवरी माह का अंतिम दिन (28 फरवरी/29 फरवरी) होता था को परिवर्तित कर 1 फरवरी को पेश किया जाता है। बजट प्रस्तुतीकरण की यह नवीन प्रथा वर्ष 2017-2018 को अपनायी गयी।
- वित्तीय वर्ष 2017-2018 में रेल बजट को आम बजट में विलय कर दिया गया ताकी रेल बजट भी सरकार की राजकोषीय नीति का हिस्सा बन सके।
- केन्द्रीय सांख्यकी कार्यालय (CSO) ने वर्ष 2015 में GDP का आधार वर्ष बदलकर 2011-2012 किया गया इससे पूर्व GDP का आधार वर्ष 2004-2005 था। एक बदलाव यह भी किया गया है कि अब GDP के आकड़े बाजार मूल्य (Market Price)पर जारी होंगे। इससे पहले ये आकड़े बाजार मूल्य और कारक लागत (Factor Cost) दोनों पर जारी होते थें।

तालिका 2.33: प्रमुख सूचकांक का विवरण

सूचकांक	आधार वर्ष	प्रारम्भ वर्ष	आंकड़ा स्त्रोत
1. थोक मूल्य सूचकांक (WPI)	2011-2012	1942	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
2. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI)	2011-2012	–	केन्द्रीय सारिणय की संगठन
(a) औद्यौगिक कामगारों का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक(CPI-IW)	2001	–	श्रम ब्यूरो संस्थान, शिमला
(b) शहरी श्रम न करने वाले कर्मचारियों का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-UNME)	1984-85	1987	केन्द्रीय सारिणय संगठन
(c) कृषि मजदूरों हेतु उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-AL)	1986-87	1995	श्रम ब्यूरो संस्थान, शिमला
(d) ग्रमीण मजदूरों हेतु उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-RL)	1986-87		श्रम ब्यूरो संस्थान, शिमला
3. औद्यौगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)	2011-2012	1946	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
4. आवास मूल्य सूचकांक (HPI)	2007	2001	राष्ट्रीय आवास बैंक

अध्याय सार संग्रह

- भारत की सबसे लम्बी सुरंग—चेनानी—नाशरी NH-44 पर निर्मित
- भारत का सबसे लम्बा पुल
  - भूपेन हजारिका (असम-अरूणाचल प्रदेश)
  - ब्रह्मपुत्र की सहायक लोहित नदी पर निर्मित
  - 9.15 किमी. लम्बाई
- बंगनपल्ली आम को जीआई टैग मिला है—आन्ध्रप्रदेश में उत्पादित
- भारतीय रेलवे संगठन को वैकल्पिक ईंधन प्रयोग करने के कारण यह पुरस्कार प्राप्त हुआ—गोल्डन पीकॉक
- जिस राज्य ने अवारा कुत्तों हेतु चिड़ियाघर का प्रस्ताव किया—केरल
- जिस राज्य ने पहली बार जाति पंचायतों द्वारा किये जाने वाले भेदभाव के खिलाफ कानून बनाया—महाराष्ट्र
- भारत का राज्य जिसने वर्ष 2017 में 81 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है—छत्तीसगढ़
- भारत ने वर्ष 2018 में किसकी मेजबानी की है—8 वें थियेटर ओलम्पिक
- भारत का वह शहर जहाँ हाल में ही में चावल अनुसंधान संस्थान के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना को मंजूरी दी गई—वाराणसी
- उ.प्र. विधानसभा में कौन-सा विस्फोटक प्राप्त हुआ है—PETN
- भारत के वर्तमान राष्ट्रपति हैं—रामनाथ कोविंद
- भारत का नवीनतम सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा प्राप्त—इन्दौर (म.प्र.)
- देश का सबसे ऊँचा तिरंगा
  - अटारी बार्डर
  - 5 मार्च, 2017
  - 110 मी. ऊँचा—फ्लैग पोस्ट
- जीएसटी पूरे भारत में लागू—1 जुलाई, 2017
- जीएसटी को मान्यता प्रदान करने वाले भारत का अंतिम राज्य—जम्मू और कश्मीर